अवध की आवाज

www.avadhkaawaz.com

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र राजधानी लखनऊ उत्तर प्रदेश से प्रकाशित

वर्ष–12 अंक–209 R.N.I.- UPHIN/2012/45127 लखनऊ मंगलवार 28 नवम्बर 2023 पृष्ठ – 4 मूल्य–3 रूपया

संक्षिप्त समाचार

भाजपा ने बढवाये सवा दो लाख मतदाता

घर–घर पहुंचे मंत्री, विधायक और सांसद

लखनऊ। मतदाता सूची पुनरीक्षण अभियान के तहत 25–26 नवंबर को चलाए गए विशेष अभियान में भाजपा कार्यकर्ताओं ने करीब सवा दो लाख नए मतदाता बनाने के आवेदन पत्र भरवाए हैं। मंत्री, विधायक और सांसदों के साथ तमाम बड़े पदाधिकारियों ने मतदाता बढ़ाने के लिए घर घर दस्तक दी। भाजपा मुख्यालय को मिली सूचना केमुताबिक दो दिन में नए मतदाता बनवाने, नाम और पते में संशोधन के अधिक आवेदन पत्र भरवाए गए हैं। पार्टी ने संदिग्ध मतदाताओं के नाम हटवाने पर भी पूरा जोर दिया है। जनप्रतिनिधियों और पदाधिकारियों को वोटर चेतना अभियान की फोटो एप पर अपलोड करने के निर्देश दिए हैं। तभी सक्रियता मानी जाएगी। प्रदेश महामंत्री संगठन धर्मपाल सिंह ने जिलाध्यक्षों से संवाद कर अभियान की मॉनिटरिंग की। मतदान केंद्र मतदाता की पहुंच से ज्यादा दूर नहीं होना चाहिए। बताया गया है कि वोटर चेतना अभियान के जरिये चार से पांच प्रतिशत मतदाता बढ़ाने पर जोर है। उनका मानना है कि यदि इतने मतदाता बढ़ गए तो लोकसभा चुनाव में मिशन 80 का लक्ष्य आसान होगा। भाजपा की बूथ कमेटियों ने प्रत्येक बूथ पर विशेष शिविर में मिले आवेदन पत्रों से एक एक आवेदक का नाम, पता, मोबाइल नंबर जुटाया है। बूथ कमेटी के सदस्य आवेदकों से लगातार संपर्क और समन्वय करेंगे।

मुख्यमंत्री योगी ने कार्तिक पूर्णिमा पर दी प्रदेशवासियों को बधाई

लखनऊ। यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को कार्तिक पूर्णिमा के मौके पर प्रदेशवासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी है। मुख्यमंत्री योगी सोमवार को सोशल मीडिया मंच एक्स के माध्यम से लिखा, लोक–आस्था के पावन पर्व कार्तिक पूर्णिमा की प्रदेश वासियों एवं समस्त श्रद्धालुओं को हार्दिक बधाई व शुभकामनाएं। भगवान श्री विष्णु एवं माँ गंगा की कृपा से आप सभी के जीवन में सुख, समृद्धि और सकारात्मक ऊर्जा का संचार हो, चराचर जगत का कल्याण हो, यही प्रार्थना है। इसके अलावा मुख्यमंत्री ने गुरुनानक जयंती और देव दीपावली और की भी बधाई दी है। उन्होंने लिखा, महान संत, सिख पंथ के संस्थापक और प्रथम गुरु श्री गुरुनानक देव जी महाराज के पावन प्रकाश पर्व पर उन्हें कोटिशः नमन एवं सभी सिख बंधुओं, श्रद्धालुओं व प्रदेश वासियों को हार्दिक बधाई। मानवता के कल्याण को समर्पित उनकी शिक्षाएं समतामूलक समाज की स्थापना की राह दिखाती हैं। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि प्रदेश वासियों एवं सभी श्रद्धालुओं को पावन पर्व देव–दीपावली की हार्दिक बधाई व शुभकामनाएं। बाबा श्री विश्वनाथ की कृपा और माँ गंगा के आशीर्वाद से यह दिव्य पर्व सभी के जीवन को आशा, उत्साह, आस्था, आरोग्यता और सद्भावना के आलोक से आलोकित करे, यही अभिलाषा है।

सिख आज पूरी दुनिया में छाये, पर मुगलों का कहीं अता-पता नहीं : योगी आदित्यनाथ

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मुगलों और सिखों के बीच हुए संघर्ष की याद दिलाते हुए सोमवार को कहा कि आज सिख पूरी दुनिया में छाये हुए हैं, मगर मुगलों की सत्ता का कहीं अता–पता नहीं है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को राजधानी लखनऊ के आशियाना स्थित गुरुद्वारे में श्री गुरु नानक देव जी महाराज के 554 वें प्रकाश पर्व पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित किया। इस उन्होंने कहा, "सिख गुरुओं का बलिदान केवल खालसा पंथ के लिए न होकर हिन्दुस्तान और धर्म को बचाने के लिए था। यहां जारी एक आधिकारिक बयान के अनुसार योगी ने कहा कि उस दौर में जब बड़े–बड़े राजा –महाराजा मुगल सत्ता की अधीनता स्वीकार कर रहे थे, तब सिख गुरु अपने दम पर देश और धर्म की रक्षा कर रहे थे। जिस देश और परंपरा में इस प्रकार का जुझारूपन हो उसे दुनिया की कोई ताकत झुका नहीं सकती। मुख्यमंत्री ने कहा, खालसा पंथ की स्थापना मुगल सल्तनत के पतन का कारण बनी। आज सिख पूरी दुनिया में छाये हैं, मगर मुगलों की सत्ता का कहीं अता–पता नहीं है। ये सत्य और धर्म का रास्ता है। मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों को प्रकाश पर्व की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि प्रकाश पर्व हम सबके जीवन में गुरु कृपा से ज्ञान का प्रकाश देता है। उन्होंने कहा कि सिख गुरुओं का त्याग, बलिदान, भक्ति, शक्ति, साधना देश और धर्म के लिए अनुकरणीय है और भारत ही नहीं पूरी दुनिया में गुरु नानक जी का प्रकाश फैला है। उन्होंने कहा कि एक पक्ष भक्ति के माध्यम से साधना का है, तो वहीं दूसरा पक्ष भक्ति के

माध्यम से लोक कल्याण और राष्ट्र कल्याण का मार्ग प्रशस्त करता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि भक्ति के माध्यम से गुरु नानक देव जी ने उस कालखंड में बाबर के अत्याचारों के खिलाफ आवाज बुलंद की थी। उन्होंने कहा, "जात–पात और अन्य संकीर्ण विचारों से मुक्त रहकर कार्य करने की प्रेरणा हमें गुरु नानक देव जी से मिलती है। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि सिख धर्म साधना के गूढ़ रहस्यों से भरा पड़ा है और खालसा केवल एक पंथ नहीं है, यह देश और धर्म की रक्षा के लिए गुरु कृपा से निकला हुआ प्रकाश पुंज है। इसने विपरीत परिस्थितियों में भी विदेशी ताकत को झुकने के लिए मजबूर किया। मुख्यमंत्री ने प्रेरित करते हुए कहा कि गुरु नानक जी द्वारा रखी गई इस नींव को और मजबूत करना हर सिख और हर भारतीय का दायित्व है और इसी में राष्ट्र की समृद्धि निहित है।

यूपी में राज्यसभा और विधानपरिषद की 23 सीटें होंगी खाली,

बीजेपी राज्यसभा में जीत सकती है 9 सीटें, वहीं सपा गठबंधन के पाले में जा सकती हैं 4 सीटें

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राज्यसभा कोटे की 10 सीटों का कार्यकाल 2 अप्रैल 2024 में खत्म हो रहा है। विधान परिषद की 13 सीटों का कार्यकाल 5 मई 2024 को समाप्त हो जाएगा। इन सीटों

पर यूपी में बीजेपी और सपा के बीच टक्कर देखने को मिलेगी। दोनों पार्टियों के दिग्गजों ने समीकरण बैठाना शुरू कर दिया है। उत्तर प्रदेश विधानसभा का सदस्य बनने के लिए एक एमएलसी पर 29 विधायकों के वोट की जरूरत होती है। अब यूपी में 2022 विधानसभा चुनाव के बाद हालात बदल गए हैं। विधानसभा में सपा के पास आरएलडी समेत 118 विधायक हैं। इनमें 109 सपा के और 9 विधायक रालोद के हैं। जबकि एनडीए गठबंधन के पास 279 विधायक हैं, जिनमें बीजेपी के 254, अपना दल (एस) के 13, निषाद पार्टी के 6 और सुभासपा के 6 विधायक शामिल हैं। जबकि कांग्रेस के दो, बसपा का एक और जनसत्ता दल के दो विधायक हैं। ये दल जिसे समर्थन देंगे उससे समीकरण बदल भी सकते हैं। फिलहाल अब तक के आंकड़ों के हिसाब से बीजेपी कम से कम 9 एमएलसी की सीटें जीत सकती है, जबकि सपा गठबंधन के खाते में 4 सीटें जा सकती हैं। इसका सपा को एक बड़ा फायदा ये होगा कि विधान परिषद में नेता प्रतिपक्ष के लिए सपा की दावेदारी हो जाएगा। अभी उसके पास 9 सदस्य हैं, जबकि नेता प्रतिपक्ष के लिए 1/10 सदस्य के मानक से वह एक सीट कम है। यूपी राज्यसभा कोटे में भाजपा के पास 10 से 9 सीटें हैं। इन पर अनिल अग्रवाल, अशोक बाजपेयी, अनिल जैन, कांता कर्दम, सकलदीप राजभर, जीवीएल नरसिम्हा राव, विजय पाल तोमर, सुधांश त्रिवेदी, हरनाथ सिंह यादव सदस्य हैं। यूपी विधान परिषद की 13 सीटें 5 मई को खाली हो रही है, ऐसे में केंद्र के साथ–साथ अपने एमएलसी बनाने के लिए भी सियासी जोड़ घटाना शुरू हो गया है। मई महीने में विधान परिषद की जो 13 सीटें खाली हो रही हैं, उनमें से बीजेपी के पास 10, सहयोगी अपना दल के पास 1 सीट है। इसके अलावा समाजवादी पार्टी और बहुजन समाज पार्टी के पास 1–1 सीट है। इन सीटों पर पांच मई से पहले चुनाव कराया जाना है। भाजपा के विधान परिषद के सदस्य यशवंत सिंह, विजय बहादुर पाठक, विद्या सागर सोनकर, सरोजनी अग्रवाल, अशोक कटारिया, अशोक धवन, बुक्कल नवाब, महेंद्र कुमार सिंह, मोहसिन रजा, निर्मला पासवान के कार्यकाल पूरे हो रहे हैं। वहीं अपना दल (एस) से आशीष पटेल का भी कार्यकाल पूरा हो रहा है। सपा से नरेश उत्तम का भी कार्यकाल पूरा हो रहा है।

शीतकालीन सत्र से पहले सर्वदलीय बैठक हुई, सत्र संचालन का एजेंडा किया गया तय

लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधानमंडल के शीतकालीन सत्र की 28 नवंबर से शुरुआत होगी। विधानमंडल के शीतकालीन सत्र से पहले विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना की अध्यक्षता में आज

सर्वदलीय बैठक बुलाई गई है। इसमें योगी आदित्यनाथ, संसदीय कार्य मंत्री सुरेश खन्ना, भाजपा सरकार के सहयोगी दल और विपक्षी दलों के प्रतिनिधि भी मौजूद रहें। 28 नवंबर से शुरू होने वाले विधानमंडल के शीतकालीन सत्र से पहले बुलाई गई बैठक के बाद कार्य मंत्रणा समिति की बैठक कर विधानसभा सत्र संचालन का एजेंडा भी तय किया गया। वही आज सर्वदलीय बैठक मे कांग्रेस और बसपा कक्ष की मांग की। दरअसल विधानभवन मे बसपा और कांग्रेस के कार्यालय कक्ष खत्म कर केबिन अलार्ट किया है जोकि सदस्य संख्या के हिसाब से मिला है।विधानसभा मे कांग्रेस के दो और बसपा का एक सदस्य है। इस बार विधानमंडल के शीतकालीन सत्र में योगी सरकार वित्तीय वर्ष के लिए अनुपूरक बजट पेश करेगी। जोकि इस साल के वित्तीय वर्ष के लिए पहला अनुपूरक बजट होगा। अनुपूरक बजट के माध्यम से यूपी सरकार अपनी कई परियोजनाओं को साकार कर जनता का विश्वास जीतने की बुनियादी ढांचे से जुड़ी परियोजनाओं को लेकर सरकार अनुपूरक बजट के माध्यम से संसाधनों का इंतजाम भी करेगी। आगामी लोकसभा चुनाव से पहले योगी सरकार प्रदेश वासियों को बड़ी सौगात देने की तैयारी में है यही कारण है की योगी सरकार शीतकालीन सत्र में अब तक का सबसे बड़ा अनुपूरक बजट पेश करेगी यह बजट तकरीबन 43 हजार करोड़ से ज्यादा का होगा। अनुपूरक बजट के जरिए योगी सरकार प्रदेश के विकास कार्यों को गति देगी। जिसमें तीर्थ विकास परिषद, राज्य राजधानी क्षेत्र के साथ ही दो नए लिंक एक्सप्रेस वे के लिए भी धन की व्यवस्था के साथ ही पांच एक्सप्रेस वे के दोनों किनारों पर तीस औद्योगिक गलियरों के लिए और अयोध्या के विकास और गन्ना के बकाया भुगतान के लिए स्पेशल पैकेज की व्यवस्था की जाएगी। चालू वित्तीय वर्ष के लिए योगी सरकार ने 6,90,242.43 करोड़ रुपये के बजट की व्यवस्था कर रखी है। पिछला अनुपूरक बजट 33768 हजार करोड़ रुपये का था। लेकिन इस बार योगी सरकार जो बजट पेश करने की तैयारी में है वह इससे लगभग 9 हजार करोड़ से भी ज्यादा का होगा। 29 नवंबर से शुरू होने वाले शीतकालीन सत्र में योगी सरकार इस बार कई अध्यादेश भी पेश करेगी जिसमें उत्तर प्रदेश शीरा नियंत्रण (द्वितीय संशोधन) अध्यादेश, उत्तर प्रदेश निजी विश्वविद्यालय (छठवां संशोधन) अध्यादेश तथा उत्तर प्रदेश राज्य विश्वविद्यालय (संशोधन) अध्यादेश,उत्तर प्रदेश माल और सेवा कर (द्वितीय संशोधन) अध्यादेश है। अध्यादेशों के अलावा अयोध्या तीर्थ विकास परिषद, देवीपाटन धाम और शुक्र तीर्थ क्षेत्र विकास परिषद आदि से संबंधित बजट व्यवस्था के साथ ही विधेयक भी पारित कराए जाएंगे।

वीपी सिंह ने दिलाया दलित पिछड़ों और वंचितों को हक, लागू की मंडल कमीशन की रिपोर्ट : अशोक

पुण्यतिथि पर याद किये गये विश्वनाथ प्रताप

लखनऊ। राष्ट्रीय किसान मंच ने भारत के पूर्व प्रधानमंत्री स्व. विश्वनाथ प्रताप सिंह की पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया जिसमें राष्ट्रीय जनता दल उत्तर प्रदेश के प्रदेश अध्यक्ष अशोक सिंह एवं किसान मंच के अध्यक्ष शेखर दीक्षित मौजूद रहे।इस मौके पर मुख्य अतिथि अशोक सिंह ने स्वर्गीय विश्वनाथ प्रताप सिंह को श्रद्धांजलि अर्पित की। श्री सिंह ने कहा कि विश्वनाथ प्रताप सिंह ने दलित पिछड़ों किसानों मजदूरों और वंचितों को न्याय दिलाने के लिए मंडल कमीशन की रिपोर्ट लागू किया और अपनी सरकार कुर्बान कर दिया । दलितों पिछड़ो और वंचितों को हक दिलाया। ऐसे मसीहा को हम सच्ची श्रद्धांजलि देते हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे महापुरुष बार–बार नहीं पैदा होते इसलिए हम सबका कर्तव्य बनता है कि उनके बताए रास्ते पर चलकर और गरीबों वंचितों पिछड़ों दलितों की लड़ाई लड़ते हुए उनके सपनों को साकार करें। श्री सिंह ने कहा कि संसद भवन में बाबा साहब भीमराव अंबेडकर की फोटो लगाने का कार्य बीपी सिंह ने किया था। सबसे पीछे बैठे व्यक्ति को अग्रिम पंक्ति पर बैठाने का कार्य किया।राजद के वरिष्ठ उपाध्यक्ष आर के श्रीवास्तव ने कहा कि मजलूमों के हितों खातिर सरकार की परवाह न करने वाले पूर्व प्रधानमंत्री वीपी सिंह को सच्ची श्रद्धांजलि उनके बताए रास्ते पर चलकर उनके अधूरे कार्यो को पूरा करना है। आचार्य विनोबा भावे के भूदान आंदोलन में उन्होंने बढ़चढ़कर भागीदारी ही नही की बल्कि अपनी खुद की 30 बीघे भूमि दान कर दी थी। मौके पर शेखर दीक्षित, राजद के वरिष्ठ प्रदेश उपाध्यक्ष आरके श्रीवास्तव, विद्युत सिंह, अरुण कुमार बाबा ,मनोज यादव, विकास सिंह, संजय द्विवेदी ,मधु पांडे ,नीरा सक्सेना, सुबोध यादव आदि लोग प्रमुख रूप से मौजूद थे।

बीएचडब्लू एसोसिएशन के निर्विरोध अध्यक्ष चुने गए धनंजय तिवारी

कर्मचारियों की लड़ाई ईमानदारी और वफादारी से लड़ी जाएगी : धनन्जय

लखनऊ। बेसिक हेल्थ वर्कर एसोसिएशन का द्विवार्षिक अधिवेशन एवं चुनाव अधिवेशन जवाहरलाल नेहरू युवा केंद्र चौक लखनऊ में संपन्न हुआ, जिसमें प्रत्येक जिले से प्रतिनिधियों ने चुनाव में भाग लिया। चुनाव में धनंजय तिवारी अध्यक्ष पद पर छठी बार निर्विरोध चुने गए। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में संयुक्त निदेशक परिवार कल्याण महानिदेशालय लखनऊ, महासचिव प्रांतीय चिकित्सा सेवा संघ उत्तर प्रदेश डॉ अमित सिंह शासन के प्रतिनिधि के रूप में वेद प्रकाश राय उपसचिव चिकित्सा स्वास्थ्य परिवार कल्याण लखनऊ, राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद के अध्यक्ष सुरेश रावत एवं चुनाव अधिकारी के रूप में यादवेंद्र मिश्रा पूर्व अध्यक्ष सचिवालय संघ एवं सुनील यादव अध्यक्ष फार्मासिस्ट फेडरेशन शामिल रहे। प्रथम सत्र में संघ की मांगों पर चर्चा करते हुए अतिथियों ने कहा कि बी एच डब्लू संवर्ग में एक पद पर दो वेतन, दो पदों का एक वेतन बिल्कुल ही न्यायसंगत नहीं है, इसे दूर कराने के लिए हर संभव सहयोग किया जाएगा। भारी संख्या में उपस्थित कार्यकर्ताओं ने निर्विरोध निर्वाचन करते हुए धनंजय तिवारी को अध्यक्ष और महामंत्री के रूप में शिवसागर शुक्ला को चुना। अशोक श्रीवास्तव वरिष्ठ उपाध्यक्ष रविंद्र सिंह गौर उपाध्यक्ष प्रदीप श्रीवास्तव संगठन मंत्री जय नारायण सेन कोषाध्यक्ष प्रशांत दीक्षित ऑडिटर चुने गए। निर्वाचित पदाधिकारियों को फार्मेसिस्ट फेडरेशन के अध्यक्ष सुनील यादव ने पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाते हुए जनहित में बिना भेदभाव संघ के संविधान के अनुरूप एकजुट रहकर संघर्ष करने का आह्वान किया। धनन्जय तिवारी ने कि कर्मचारियों की लड़ाई ईमानदारी और वफादारी से लड़ी जाएगी। उपस्थित अतिथियों एवं कार्यकर्ताओं को निर्वाचित अध्यक्ष धनंजय तिवारी ने धन्यवाद ज्ञापित किया और अपने दायित्व के निर्वहन का आश्वासन दिया।

रूपये दोगुना करने की लालच देकर लाखों की ठगी, आरोपी पैसा लेकर फरार

लखनऊ। लखनऊ के सरोजनीनगर इलाके में ठगों ने एक युवक को एक ही दिन में रूपये दोगुना करने का लालच देकर लाखों रूपये की ठगी कर फरार हो गया। ठगों के काफी देर वापस न आने पर युवक को उसके साथ ठगी का एहसास हुआ। जिसके बाद पीड़ित ने सरोजनीनगर कोतवाली में मुकदमा दर्ज करवाया हैं। उन्नाव के भाऊमऊ थाना असोहा निवासी धर्मेन्द्र ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि उनके परिचित सूरज चौधरी निवासी रापरा सरौरा थाना सैरपुर लखनऊ ने बताया कि रुपया खर्च करने पर उसे उसी दिन दोगुना रुपया वापस कर दिया जायेगा। सूरज चौधरी के कहने पर वह बीती रविवार को अपने दोस्त शुभम भारती निवासी मौरांवा रोड मोहनलालगंज के साथ तीन लाख रूपये लेकर ट्रांसपोर्ट नगर जेगुआर शोरूम के पीछे एक चाय की दुकान पर पहुंचा। जहां सूरज चौधरी के बताए अनुसार वहां पर रमेश निवासी अम्बेडकरनगर व एक अन्य व्यक्ति नाम पता अज्ञात सफेद रंग की स्कॉर्पियों गाड़ी (न्च 45 त 1400) से आए और उससे पूछा कितने पैसे लेकर आए हो। जिस पर उसने तीन लाख रुपये लेकर आने की बात कही। इसके बाद रमेश व अन्य व्यक्ति ने उनसे 3 लाख रुपये ले लिया। इसके बाद कहा कि आप यही बैठो आप को कुछ देर में रुपये दोगुना कर के देते है। वो दोनों स्कार्पियों गाड़ी लेकर वहां से चले गये। धर्मेंद्र और शुभम काफी देर तक उन लोगों का इंतजार करते रहे। लेकिन एचवे लोग न तो वापस आये न ही उनका फोन मिल रहा है। ठगी का एहसाए होने पर सरोजनीनगर कोतवाली पहुंचकर ठगों के खिलाफ तहरीर दी हैं। इंस्पेक्टर सरोजनीनगर शैलेंद्र गिरी ने बताया कि पीड़ित की लिखित शिकायत पर सूरज चौधरी, रमेश और एक अज्ञात व्यक्ति पर मुकदमा दर्ज कर जांच पड़ताल की जा रही हैं।

दिल्ली की जंग की पटकथा लिखेंगे पांच राज्यों के चुनाव नतीजे !

लोकसभा चुनाव को लेकर तेज हो जायेंगी गतिविधियां

लखनऊ। लोकसभा चुनाव में बहुत ज्यादा समय नही बाकी है, इसलिए सभी सियासी पार्टियां अपनी रणनीति पर काम शुरू कर चुकी हैं। लेकिन मिशन 2024 को लेकर गतिविधियों और समीकरणों के बनने, बिगड़ने और बदलने का क्रम पांच राज्यों के चुनाव नतीजे आने के बाद तेज हो जायेगा।चुनाव भले ही असेम्बली के हुए हैं लेकिन इनके परिणाम दिल्ली की जंग की पटकथा लिखने वाले हैं। श्एनडीएश बनाम इंडिया की जंग में कौन किसके साथ होगा, यह भी तय हो जायेगा।अभी तो पक्ष ही नही विपक्ष के बयानों से भी कुछ साफ नही है।तल्ख टिप्पणी का दौर कम नही हो रहा है लेकिन राजनीति में कुछ भी हो सकता है।जो आलोचना करते थकता नही,यार बन सकता है और जो कसीदे पढ़ रहा है पलक झपकते ही दूसरे खेमे में जा धमके। पांच राज्यों के चुनाव निपटने से पहले ही लोकसभा चुनाव के लिए दांव–पेंच शुरू हो चुके हैं। विपक्षी गठबंधन इंडिया में क्षेत्रीय दलों ने लामबंदी की कवायद शुरू कर दी है। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव कल रविवार शाम दो दिवसीय दौरे पर चेन्नई पहुंच गए, जहां वे पूर्व प्रधानमंत्री वीपी सिंह के प्रतिमा अनावरण समारोह में वे विशिष्ट अतिथि रहे। डीएमके नेता और तमिलनाडु के सीएम एमके स्टालिन के साथ सियासी चर्चा जरूर की होगी। अखिलेश पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी से भी मुलाकात कभी भी हो सकती है।ममता बनर्जी का अखिलेश यादव के प्रति हमेशा से साफ्ट कार्नर रहा है, ऐसा देखा गया है।इंडिया गठबंधन के घटक दलों के बीच सीटों का बंटवारा इन राज्यों के चुनाव परिणामों पर भी निर्भर करेगा। स्वाभाविक है कि कांग्रेस का प्रदर्शन बेहतर रहने पर अधिक सीटों के लिए दबाव होगा। अन्य दल बाद चुनाव परिणाम विश्लेषण सीट चाहेंगे।मध्य प्रदेश के चुनाव में सपा और कांग्रेस के रिश्ते तल्ख हुए, उसका असर यूपी की लोकसभा सीटों के बंटवारे पर पड़ सकता है। सपा सूत्रों के मुताबिक सीटों की साझेदारी के पिछले अनुभव अच्छे नहीं रहे हैं। चाहे वह कांग्रेस के साथ रहा हो या फिर बसपा के साथ। क्षेत्रीय दलों को गठबंधन राजनीति का एक खतरा अपना वोट बैंक खिसकने का भी रहता है। इसका उदाहरण कम्युनिस्ट पार्टियां हैं, जो 60 व 70 के दशक में लोकसभा की 4–5 सीटें जीतती थीं, लेकिन 1989 में जनता दल के साथ गठबंधन में गईं और उनका वजूद खत्म। गठबंधन के खतरे राजनीतिक दल बेहतर समझते हैं। कांग्रेस ताकतवर होती है तो आंख दिखाने से गुरेज नहीं करती। इसीलिए समान सोच की क्षेत्रीय पार्टियां इंडिया गठबंधन में होने के बावजूद अपना मजबूत फ्रंट चाहती हैं ताकि कांग्रेस हावी न रहे। चुनाव के बाद भी बड़े बड़े फेरबदल हो जाते हैं। राजनीति में रातोरात समीकरण उलट पुलट हो जाते हैं। लेकिन यह तय है कि पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव के नतीजे देश की भावी राजनीति का रूख मोड़ सकते हैं।

सम्पादकीय

भारत की सनातनी, आध्यात्मिक विचारधारा ही देश को विश्व में अग्रणी बनाएगी

भारत का सांस्कृतिक, आध्यात्मिक वैदिक इतिहास सदैव प्रबुद्ध तथा गौरवशाली रहा है। वेदों, शास्त्रों ,पुराणों और सनातन संस्कृति एवं संस्कार में इतनी शक्ति है कि भारतीय संस्कृति अनंत काल तक कभी नष्ट नहीं हो सकती है। भारतीय संस्कृति का लचीलापन एवं व्यापक ग्राह्यता इतनी विशाल है कि इस सभ्यता ने कई सभ्यताओं को अपने में समाहित कर एक विशाल धर्मनिरपेक्ष वातावरण निरूपित कर वृहद वट वृक्ष की तरह अपनी शाखाएं वैश्विक स्तर पर प्रचारित, प्रसारित की है। यह वैदिक अध्यात्म योग और संस्कृति का ही प्रतिफल है कि भारत के नागरिक विश्व में चहुंओर निवास कर रहे हैं और अब समय आ गया है कि भारत को अपनी संस्कृति आध्यात्मिक तथा संस्कारों के आत्मबल के दम पर विश्व का नेतृत्व करना होगा एवं विश्व गुरु बनने की प्रक्रिया में नए नए सोपान निर्मित करने होंगे । प्रारंभ से ही शांति तथा मानवता को लेकर भारत में अपनी विकास यात्रा प्रारंभ की है आध्यात्मिक चिंतन और सनातनी इतिहास इस बात का गवाह है कि भारत विश्व शांति की बहाली के लिए विश्व को मार्गदर्शन देने का हौसला तथा क्षमता दोनों रखता है। अब यह समय आ चुका है कि भारत को विश्व का मार्गदर्शी प्रणेता बन जाना चाहिए। जिंदगी का कैनवास जन्म से लेकर मृत्यु तक समुद्र की तरह विराट और गहराई लिए हुए होता है। जीवन में वयक्तिक, पारिवारिक, धार्मिक, आध्यात्मिक, सामाजिक विकास की संभावनाओं के साथ मनुष्य अपना जीवन प्रारंभ कर विकास प्रगति तथा ऊंचाइयों को प्राप्त कर सकता है,बशर्ते उसके व्यक्तित्व में जीवन के प्रति जीजिविषा, संघर्ष करने की क्षमता, अनंत आत्मविश्वास और संयम के घटक मौजूद हो। ऐतिहासिक तौर पर भारतीय विकास सांस्कृतिक संरचना एवं संस्कार के मूलभूत तत्वों को लेकर दुनिया में अभूतपूर्व रहा है। वैसे भी भारतवर्ष सभ्यता से लेकर संस्कृति की प्रकृति के मामले में वैभवशाली इतिहास को समेटे हुए हैं। विकास और प्रगति के सोपान को कोई एक दिन वर्ष अथवा दशक में रेखांकित नहीं किया जा सकता, यह एक निरंतर, सतत एवं समय के साथ चलने वाली क्रिया की प्रतिक्रिया है। और प्रकृति सभ्यता तथा मानव जीवन में परिवर्तन एक अकाट्य सत्य और शाश्वत अभिक्रिया है। व्यक्ति के जीवन तथा समाज या देश में विकास के संदर्भ में एवं घटकों को प्रारंभ से आदमी का धन उपार्जन, गरीबी भुखमरी से लड़ाई भूतकाल की कुरीतियों की विडंबना से संघर्ष का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। इन सब से समाज की प्रगति और विकास में राजाओं, सम्राटों की कूटनीति ,राजनीति सर्वोपरि रही है इतिहास से लेकर अब तक मनुष्य देश और विश्व के विकास में राजनैतिक नीति निर्देशक तत्व ही देश को बलवान,शक्तिहीन,भौगोलिक रूप से बड़ा या छोटा बनाते आए हैं। किसी भी राष्ट्र के राजा, सम्राट या राष्ट्र प्रमुख की अपनी क्षमता ,शक्ति, ऊर्जा और उसके विवेक से उस राष्ट्र की प्रगति विशाल या न्यूनतम होती देखी गई है। भूतकाल में कई संघर्षशील एवं उत्साह से लबरेज यात्रियों के वृतांत हमारी नजरों में आए हैं यथा कोलंबस और वास्कोडिगामा जैसे अत्यंत ऊर्जावान संघर्षशील और साहसिक यात्रियों द्वारा लगभग नामुमकिन रास्तों की खोज कर एक मिसाल कायम की है। नेपोलियन का एक बड़ा सूत्र वाक्य था कुछ भी असंभव नहीं है। बिस्मार्क जर्मनी के एक ऐसे सम्राट रहे हैं जिनके बारे में कहा जाता है की उनके हाथों में दो गेंद तथा 3 गेंदें हवा में होती थी, यूरोप का जादूगर भी कहलाता था, पूर्व से ही समुद्रगुप्त ,कनिष्क, सम्राट अशोक, चंद्रगुप्त मौर्य, शेरशाह सूरी जैसे शासकों का अदम्य आत्मविश्वास एवं संघर्ष करने की क्षमता के फल स्वरुप भी भारत आज इस स्वरूप में विद्यमान है। अर्थशास्त्रीय दृष्टिकोण से भी किसी भी राष्ट्र में सदैव विकास वैभव और आर्थिक तंत्र को मजबूत करने की संभावनाएं अवस्थित रहती हैं। भारत की विशाल जनसंख्या को देखते हुए भारत में गरीबी, भुखमरी ,बाढ़ तथा अन्य विभीषिका सदैव आती जाती रहती हैं। विशाल जनसंख्या के होने के कारण भारत में ही भारत की बड़ी जनसंख्या गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन कर रही है और केवल भारत के कुछ नागरिकों को ही सारी जीवन की सभी सुविधाएं उपलब्ध हैं, बाकी लोग इन सुविधाओं से वंचित भी हैं। हमारा देश स्वतंत्रता के बाद से ही आवाज की कमी भूख गरीबी भ्रष्टाचार काला धन हवाला कुपोषण बेरोजगारी की बड़ी समस्याओं से जूझ रहा है। भारत की विशाल जनसंख्या के बावजूद ऐतिहासिक तौर पर देश सांस्कृतिक वैचारिक और संस्कारी ग्रुप से सदैव समृद्ध रहा है और धार्मिक रूप से भी देश में ज्ञान की जड़े बहुत गहराई तक हैं। भारत को आध्यात्मिक रूप से समृद्ध करने के लिए वेद, पुराण, उपनिषद, गीता ,रामायण ,महाभारत महा ग्रंथों की पृष्ठभूमि बड़ी ही शक्तिशाली है। देश में अनेक साधु संत ज्ञानी जिनमें मोहम्मद मूसा कबीर, रैदास, नामदेव, तुकाराम चौतन्य, तुलसीदास शंकरदेव जैसे महापुरुषों ने देश के सांस्कृतिक आध्यात्मिक विकास मैं अभूतपूर्व योगदान दिया है। भारत में अनेक विदेशी आक्रमणों को झेल कर उन्हें आत्मसात किया है किंतु हमारी संस्कृत पाली एवं प्राकृत भाषा अन्य भाषाओं के साथ आज भी समृद्ध है। भारत में अनेक भाषा क्षेत्र एवं बोलियां हैं किंतु हिंदी, पंजाबी, गुजराती, बांग्ला, मराठी ,असमिया भाषाएं उसी तरह पल्लवित पुष्पित हो रही हैं जैसे की संस्कृत और प्राकृत पाली भाषा होती रही है। भारत में स्वाधीनता के बाद विकास के प्रगति के पथ पर वैज्ञानिक क्षेत्र में अभूतपूर्व विकास किया और पृथ्वी से लेकर नभ तक हर क्षेत्र में मानव की अतीव उत्कंठा ,जीजिविषा के कारण हमने चांद पर भी अपने वायुयान भेजें हैं। देश के नागरिकों की भौतिकवादी सुविधा के लिए भी हमने वतानुकुलित यंत्र ,वायुयान तेज चलने वाली ट्रेनें और वायुमंडल में अनेक ऐसे तथ्यों को जो आज तक छुपे हुए थे उजागर कर अपने महत्व के लिए इसका उपयोग करना शुरू किया है। यह कहावत आशाओं पर आकाश टिका हुआ है और आकाश का कोई अंत नहीं यानी मनुष्य की इच्छाओं का कोई अंत नहीं है मनुष्य पर सही प्रतीत होती है।इसी तरह प्रगति और विकास का भी कोई अंत या अनंत नहीं है। भारत देश में वैश्विक स्तर पर राजनैतिक सामाजिक वैज्ञानिक एवं आध्यात्मिक स्तर पर काफी प्रगति की एवं विश्व में योग अध्यात्म दर्शन का लोहा भी मनवाया है। मनुष्य की अभिलाषा का कोई निश्चित लक्ष्य नहीं है, मनुष्य मूल रूप से अत्यंत महत्वकांक्षी,लोलुप एवं इच्छाओं का दास हुआ करता है, ऐसे में पूर्व में किए गए कार्यों को निरंतर सुधार कर उसे नए रूप में प्राप्त करना मनुष्य की अभिलाषा हो सकती है,पर इसके लिए अथक मेहनत संघर्ष आत्मविश्वास एवं संयम की आवश्यकता होगी तभी जाकर हम अपने नए—नए लक्ष्यों को विकास तथा प्रगति के पैमाने पर टटोलकर आगे बढ़ा सकते हैं। पर लक्ष्य की प्राप्ति के साधन जरूर सच्चे ,पवित्र और मानव कल्याण की ओर अग्रेषित होने चाहिए, तब ही विकास प्रगति चाहे वह आध्यात्मिक, सामाजिक, धार्मिक, राजनीतिक अथवा वैज्ञानिक ही क्यों ना हो सफल हो सकती है।

अर्थ और प्रतिष्ठा की लूट के सामने बेबसी

देश दुनिया के सामने डीपफेक और साइबर क्राईम आज के समय घातक चुनौती है। इसके सामने एक बेबसी दिख रही है। इस बेबसी का मुख्य कारण ये है कि ये वो टेक्नोलॉजी है, जो आमलोगों के हाथों तक आ गई है। पहले ऐसी टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल साइबर क्रिमिनल किया करते थे। इस तरह आधुनिक तकनीक से जहॉ एक तरफ लोगों को आर्थिक हानि उठानी पड़ है तो अब उसके सामने अपने प्रतिष्ठा और मान मर्यादा बनाए रखने का संकट उत्पन्न हो रहा है। सरकारे भले ही लाख दावा करे, लेकिन सरकार के पास इससे निपटने के लिए समुचित व्यवस्था नही है। तात्पर्य यह कि सरकार एक तरफ तो आधुनिक तकनीक को बढ़ावा देने के लिए आन लाइन भुगतान पर दबाव बनाए है। आधुनिक तकनीक के आईफोन तक को बढ़ावा दे रही है। ई आफीस से लेकर हर क्षेत्र को ईव्यवस्था से जोड़ने को आतुर है। लेकिन इनके दुरूपयोग को रोकने या इसका गलत इस्तेमाल होने पर इसकी जॉच के लिए विशेषज्ञ टीमों की भर्ती या कोई विशेष अभियान सरकार द्वारा नही चलाया जा रहा है। पुलिस सेवा या फिर सर्तकता या तकनीकि विभागों में पिछले लम्बे अरसे से तकनीकि शिक्षा विशेषज्ञों, बीसीए एमसीए या फिर कम्पयुटर शिक्षाा के विशेषज्ञता रखने वाले संवर्ग की कोई विशेष भर्ती कर ऐसी कोई सेल नही बनाई गई जिससे इस तरह के अपराधों पर रोक लगाई जा सके। इसका परिणाम यह है कि देश में प्रतिदिन साइबर अपराधी आम और खास आदमी को निशाना बनाकर उसकी कमाई हड़प रहे है और वह साइबर थाने के चक्कर लगा रहा है। अब एक नया अभिशाप डीपफेक के सामने आ गया है जो आपकी मर्यादा हनन कर रहा है। हालांकि इस पर देश के प्रधानमंत्री भी बड़ी चिन्ता जता चुके है। आईटी मंत्री कड़े कानून की वकालत कर रहे है। लेकिन सबसे अहम पहलू पर कोई विचार नही कर रहा है कि इस तरह के अपराध रोकने के लिए इससे भी अधिक बुद्विमान और तकनीकि, साइबर के डिप्लोमा, डिग्री धारी संवर्ग का विशेष भर्ती अभियान चलाकर साइबर थानों में विशेषज्ञों की तैनाती की जाए। डीपफेक को सामान्य रूप से ऐसे समझे जैसे मान लीजिए कोई मेरी तस्वीर और मेरा वीडियो है, अगर आप मेरी तस्वीर या मेरे वीडियो पर किसी और की शक्ल छाप दें और उसी को मिमिक कर दें तो लोगों को यही लगेगा कि वो मैं नहीं बल्कि वो व्यक्ति बोल रहा है। डीप फेक के जरिए यही कोशिश की जाती है कि आप लोगों को गुमराह करें, उसे चीट करें, उसके ट्रस्ट को जीतें और उसके बाद उसे साइबर क्राइम का शिकार बनाएं। हर बड़े सेलिब्रिटी के बन रहे डीपफेक वीडियोरश्मिका मंदाना और कैटरिना कैफ के हालिया डीपफेक वीडियोज बताते हैं कि हम कितने लाचार और बेबस हैं। व्यक्तिगत प्रतिष्ठा और स्वायत्तता की गंभीर चिंताजनक मुद्दों के अलावा धोखेबाजी और प्रपंच से लोकतंत्र प्रभावित हो सकता है। इतना ही नहीं, इससे हमारी राष्ट्रीय सुरक्षा को खतरा हो सकता है और बड़े पैमाने पर वित्तीय धोखाधड़ी हो सकती है। हाल ही में यूके की एक एनर्जी कंपनी के प्रमुख के साथ ऐसा हो चुका है। उसे उसके जर्मन सीईओ की आवाज में फोन आया और उसने पैसे भेज दिए। हालांकि, वह आवाज डीपफेक का नमूना ही थी। महिलाओं की तरह ही बेहद प्रतिष्ठित शख्सियतें भी खूब निशाने पर रहती हैं।इलेक्ट्रॉनिक्स एंड इन्फॉर्मेशन टेक्नॉलजी मिनिस्टर ने सोशल मीडिया और इंटरनेट कंपनियों पर लागू नियमों की बात की है। उन्होंने आईटी इंटरमीडियरी रूल 3(2)(बी) का भी उल्लेख किया जो इंटरमीडियरी को शिकायत मिलने के 24 घंटे के अंदर मॉर्फ्ड वीडियो, इमेज आदि को हटाने या डिजेबल करने का निर्देश देता है।केन्द्रीय मंत्री अश्विनी के अनुसार ने लोकतंत्र के लिए डीपफेक्स एक नया खतरा है। इससे समाज और इसके संस्थानों की विश्वसनीयता कमजोर हो सकती है। हम डीपफेक्स के लिए रेगुलेशंस बनाने की शुरुआत कर रहे हैं। उनका कहना था कि सरकार चार बिंदुओं डीपफेक्स की पहचान, ऐसे कंटेंट को फैलने से रोकने, रिपोर्टिंग की प्रक्रिया को मजबूत करने और इस मुद्दे पर जागरूकता बढ़ाने पर कार्य करेगी। हाल ही में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भी डीपफेक्स को लेकर चेतावनी दी थी। मोदी ने बताया था कि उन्होंने चौटजीपीटी की टीम से डीपफेक की पहचान करने और ऐसे वीडियो के इंटरनेट पर प्रसारित होने पर चेतावनी जारी करने को कहा है। उनका कहना था कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के दौर में यह जरूरी है कि टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल जिम्मेदारी से किया जाए। लेकिन डीपफेक को रेग्युलेट करना वैश्विक चिंता का विषय है। अमेरिका ने फॉरन डीपफेक्स के लिए संघीय कानून बनाया है जबकि उसके नागरिकों की रक्षा के लिए एक विधेयक अभी लंबित है। अमेरिका के कुछ राज्यों ने भी बिना सहमति के डीपफेक बनाने को अपराध घोषित कर दिया है जबकि कुछ अन्य राज्यों ने इसे दीवानी मामलों के तहत रखा है। यूरोपियन यूनियन में भी डीपफेक्स को लेकर कानून बनाने पर गंभीरता से विचार हो रहा है। बड़ी टेक कंपनियां इस चिंता को लेकर प्रतिक्रिया दे रही हैं, लेकिन बहुत धीमे। समस्या यह है कि डीपफेक्स को ढूंढ पाना बहुत कठिन है क्योंकि विजुअल एक्सपर्ट्स जिन पैमानों पर असली और नकली का अंतर पता करते हैं, वो इसमें काम नहीं आते हैं। फर्जी कंटेट को पकड़ने वाली टेक्नॉलजी डीपफेक क्रिएटर्स से कदमताल नहीं मिला पा रही है। जब तक हमें बुरी टेक्नॉलजी से मुकाबले के लिए अच्छी टेक्नॉलजी के आने का इंतजार है, तब तक हम कर ही क्या कर सकते हैं? अगर आप भी इस बुरी तकनीक के शिकार हो जाएं तो बिल्कुल सावधान रहते हुए पुलिस में शिकायत करें।मगर ऐसे वीडियो पर कैसे नजर रखी जाती है? फर्जी वीडियो के अक्सर ऐसे पहलू होते हैं जिनका अंदाजा तकनीकी विश्लेषण के बाद लगाया जा सकता है। क्रेड ज्यूरे में मैनेजिंग पार्टनर अंकुर महिंद्रू कहते हैं, 'जांच एजेंसियां आईपी अड्रेस मालूम करने वाली, मेटाडाटा एनालिसिस और ओपन—सोर्स इंटेलिजेंस (ओएसआईएटी) जैसी विशेष तकनीकों का इस्तेमाल करती हैं। फेशियल रिकग्निशन और कन्टेंट रिकग्निशन अल्गोरिद्म जैसी अत्याधुनिक तकनीक भी फर्जी वीडियो अपलोड करने से जुड़ी गतिविधि और इसके अनधिकृत प्रसार रोकने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभा सकती हैं।सरकार मानना है कि सोशल मीडिया कंपनियों को ऐसे मामलों में आईटी नियम, 2021 के अंतर्गत निहित समयसीमा के अंतर्गत कदम उठाने होंगे और उन्हें उपयोगकर्ताओं (यूजर) को ऐसी सूचना या सामग्री पोस्ट करने से रोकना होगा। सरकार का कहना है कि किसी आपत्तिजनक सामग्री की सूचना मिलने के 36 घंटे बाद उसे हटाना अनिवार्य होगा। अनधिकृत वीडियो का पता लगाने वाले मौजूदा कानूनी ढांचे में भारतीय तकनीक अधिनियम (धारा 67ए), कॉपीराइट एक्ट, 1957 और भारतीय दंड संहिता, 1860 (धारा 292) के प्रावधान शामिल हैं। न्यायालयों ने अक्सर इन मामलों में अनधिकृत सामग्री दिखाने वाले यूआरएल या पोस्ट हटाने के निर्देश दिए हैं।'भारत में सूचना—प्रौद्योगिकी अधिनियम के अंतर्गत एक विशेष प्रावधान है जो किसी व्यक्ति की निजता के उल्लंघन के मामले में लागू हो सकता है। ऐसे मामलों में अपराध साबित होने के बाद 3 वर्षों तक कारावास या 2 लाख लाख रुपये तक आर्थिक दंड लगाया जा सकता है। फर्जी वीडियो या विकृत तस्वीर प्रकाशित करने वाले प्लेटफॉर्म भी इस संबंध में नोटिस मिलने के बाद कदम नहीं उठाते हैं तो उनके खिलाफ भी कानूनी कार्रवाई हो सकती है।'हालाकि दिल्ली महिला आयोग ने मंदाना का वीडियो प्रसारित होने के बाद दोषी लोगों के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग की है। आयोग ने कहा कि अब तक इस मामले में कोई गिरफ्तारी नहीं हुई है। केंद्र सरकार ने भी सोशल मीडिया कंपनियों को पूरी सतर्कता बरतने और भ्रामक सूचना एवं फर्जी तस्वीरों को पहचानने में सभी उपाय करने के निर्देश दिए हैं। मगर विशेषज्ञों का कहना है कि ऐसे मामले रोकने के लिए उपयुक्त एवं ठोस नियमन की दरकार है। 'कानून में यह परिभाषा बिल्कुल स्पष्ट होनी चाहिए कि किसी तरह के वीडियो फर्जी या आपत्तिजनक वीडियो की श्रेणी में आते हैं। इसके अलावा एआई की मदद से तैयार वीडियो का इस्तेमाल ठगी सहित अन्य अपराधों के लिए इस्तेमाल होने से भी रोकने के प्रावधान होने चाहिए।' असल समस्या तो तब खड़ी होती है जब ऐसे मामले से निपटने में काफी वक्त निकल जाता है। विशेषज्ञों की माने 'इन वीडियो का प्रसार तत्काल रोकना सबसे बड़ी चुनौती होती है। इससे प्रभावी ढंग से निपटने के लिए एक निगरानी ढांचे की आवश्यकता है। हमारे यहां कानूनी प्रक्रिया सभी पहलुओं पर विचार तो जरूर करती है मगर एक तय रफ्तार से ही आगे बढ़ती है। सरकार को इस बॉत पर गम्भीरता से विचार करना होगा कि पुलिस की ऐतिहासिक व्यवस्था के इतर उन्हें अत्याधुनिक और तकनीकि विशेषज्ञों की भर्ती कर साइबर अपराधो से निपटने के लिए अगल थानों के निर्माण एवं कानून में विशेष संशोधन करते हुए इस तरह के अपराध में शामिल अपराधियों पर त्वरित कार्रवाई का निर्णय लेना होगा।

म्यांमार में घमासान

म्यांमार में अधिकांश समय सैन्य शासन ही रहा है। इस देश की सैन्य सरकार ने नियमों और कानूनों को अपने हिसाब से बनाया और तोड़ा ताकि सत्ता पर हमेशा उसका ही कब्जा बना रहे। इतिहास पर नजर डालें तो कभी यहां पर भी अंग्रेजों का ही शासन था। 1937 से पहले भारत की ब्रिटिश सरकार ने इसे भारत का ही राज्य घोषित किया था लेकिन बाद में इसको भारत से अलग कर अपना उपनिवेश बना दिया था। 80 के दशक से पहले इसका नाम बर्मा हुआ करता था लेकिन बाद में इसका नाम म्यांमार कर दिया। 4 जनवरी 1948 को यह ब्रिटिश शासन से मुक्त हुआ। 1962 तक यहां पर लोकतंत्र के तहत देश की जनता अपनी सरकार चुनती थी लेकिन 2 मार्च 1962 को सेना के जनरल ने विन सरकार का तख्ता पलट करते हुए देश की सत्ता पर कब्जा कर लिया था। सैन्य सरकार को यहां परद्द मिलिट्री जुंटा कहा जाता है। लम्बे समय तक लोकतंत्र बहाली आंदोलन चला। मानवाधिकार कार्यकर्ता आंग सान सू की ने मानवाधिकारों की रक्षा और लोकतंत्र के लिए अपनी आवाज बुलंद की। 2010 के आम चुनावों के बाद सैन्य शासन का अंत हो गया और आंग सान सू की म्यांमार की शीर्ष नेता तो बन गईं क्योंकि आंग सान सू की ने विदेशी से शादी की थी। इसलिए कानूनों के मुताबिक वह द्धआधिकारिक रूप से राष्ट्राध्यक्ष नहीं बन सकी।

सेना ने एक बार फिर तख्त पलट कर निर्वाचित सरकार को बर्खास्त कर डाला और फिर से जुंटा शासन लगा दिया गया। किसी को अंदाजा ही नहीं था कि म्यांमार में लोकतंत्र के लिए भीतर ही भीतर इतना आक्रोश पनप रहा है और विद्रोही सेना के खिलाफ इतने मजबूत होकर निकलेंगे कि सेना को ही परस्त कर देंगे। एक महीना पहले सेना के द्धिखलाफ शुरू हुए सशस्त्र आंदोलन के चलते म्यांमार में घमासान छिड़ चुका है। हालात इतने खराब हैं द्धिक इससे भारत भी काफी चिंतित हो उठा है। म्यांमार के संघर्ष की वजह से हजारों शरणार्थी पहले ही मिजोरम में आकर बस चुके हैं। फरवरी 2021 में सैन्य तख्ता पलट के बाद से अब तक 31 हजार शरणार्थी आ चुके हैं और मौजूदा संघर्ष के दौरान लगभग 5 हजार शरणार्थी भारत पहुंच चुके हैं। इन शरणार्थियों के आने से पूर्वोत्तर भारत में तनाव फैलने की आशंका है। म्यांमार के चिन जातीय समूह के मणिपुर के कूकी समुदाय के साथ अच्छे संबंध हैं वहीं मणिपुर के मैतेई उग्रवादी संगठनों की म्यांमार में भी मौजूदगी है। सेना ने क्योंकि आंग सान सू की को कई मामलों में जेल में डाल रखा है। उनकी पार्टी के कई नेता और कई अन्य लोकतंत्र समर्थक जेलों में हैं। इसके बावजूद लोकतंत्र समर्थक ताकतें एक बार फिर एकजुट हो चुकी हैं। हालांकि सेना 4000 से ज्यादा नागरिकों और लोकतंत्र समर्थक कार्यकर्ताओं की हत्याएं कर चुकी है। ब्रदर हुड अलायंस सेना पर हमले कर रहा है और सेना की एक बटालियन ने तो हथियार भी डाल दिए हैं। इस साल 27 अक्तूबर को म्यांमार के तीन विद्रोही गुट साथ आए। ये थे—अराकन आर्मी, म्यांमार नेशनल डिफेंस अलायंस आर्मी और ताआंग नेशनल लिबरेशन आर्मी। चूंकि, वहां के सैन्य शासन के खिलाफ इन तीन गुटों ने 27 अक्तूबर को विद्रोह छेड़ा था, इसलिए इसे 'ऑपरेशन 1027' नाम दिया गया है। म्यांमार नेशनल डेमोक्रेटिक अलायंस आर्मी इन तीनों में सबसे ताकतवर मानी जाती है। ऑपरेशन 1027 को यही लीड कर रही है। इसका गठन 1989 में हुआ था। इसमें लगभग 6 हजार लड़ाके हैं। अराकन आर्मी का गठन 2009 में हुआ था। ये रखाइन प्रांत में एक्टिव हैं और यूनाइटेड लीग ऑफ अराक की मिलिट्री विंग है। इसके नेता त्वान सम्राट नाइंग हैं। माना जाता है कि इसके पास 35 हजार से ज्यादा लड़ाके हैं जो काचिन, रखाइन और शान प्रांत में एक्टिव हैं।

इस पूरे ऑपरेशन का मकसद वहां के सैन्य शासन का मुकाबला करना है। 'ब्रदरहुड अलायंस' के नाम से बने इस विद्रोही गठबंधन का उद्देश्य उत्तरी शान प्रांत में सेना और उसके सहयोगी सैन्य संगठनों को खदेड़ना है। ये प्रांत म्यांमार—चीन सीमा के पास पड़ता है। 27 अक्तूबर को अलायंस ने बयान जारी कर कहा था कि उनके ऑपरेशन का मकसद नागरिकों की रक्षा करना, आत्मरक्षा करना, अपने इलाकों पर नियंत्रण हासिल करना और म्यांमार सेना के हमलों और हवाई हमलों का जवाब देना है। म्यांमार दशकों से जातीय अल्पसंख्यकों की हिंसा से रूबरू रहा है लेकिन अतीत में, बर्मी समाज में मुख्य राजनीतिक विरोधाभास सुश्री सू की अगुवाई में लोकतंत्र समर्थक आंदोलन द्वारा किया गया शांतिपूर्ण संघर्ष था लेकिन इस बार लोकतंत्र समर्थक आंदोलन ने शांतिपूर्ण प्रतिरोध के सू की के सिद्धांत को त्याग दिया और एक भूमिगत सरकार बनाई, एक मिलिशिया विंग की स्थापना की ओर जातीय मॉडल विद्रोहियों के साथ हाथ मिलाया। यह एक ऐसा नतीजा था जिसकी उम्मीद तख्तापलट शासन ने नहीं की थी। पिछले दो सालों में नई राजनीतिक हकीकतें सामने आई हैं। विद्रोहियों ने पर्याप्त इलाकों में दखल हासिल कर लिया है और जुंटा पर संचालन संबंधी दबाव बनाए रखते हुए कई मोर्चे खुले रखे हैं। जनरलों को क्षेत्रीय स्तर पर भी अलगाव का सामना करना पड़ रहा है, खासकर आसियान में। जुंटा के पास कोई आसान विकल्प उपलब्ध नहीं है। एक सैन्य समाधान असंभव दिखता है। जुंटा बातचीत के लिए आगे नहीं आया है लेकिन विविधता भरी नई पीढ़ी के नेताओं की अगुवाई में विद्रोहियों ने जनरलों से राजनीति से दूर हटने और फिर शांति की तलाश के लिए बातचीत करने को कहा है। उन्होंने जातीय अल्पसंख्यक क्षेत्रों के लिए अपेक्षाकृत ज्यादा स्वायत्तता वाली संघीय लोकतांत्रिक व्यवस्था की मांग की है। अब देखना होगा द्धिक म्यांमार लोकतंत्र की तरफ कैसे बढ़ता है।

'रंगीले' राजस्थान में मतदान

देश के पांच राज्यों में चल रहे चुनावों में आज राजस्थान का चुनाव भी सम्पन्न हो गया और इस राज्य के मतदाताओं ने भाजपा व कांग्रेस पार्टियों का भविष्य ईवीएम मशीनों में कैद कर दिया। राजस्थान के चुनावों की सबसे उल्लेखनीय घटना यह रही कि राज्य के ताजा राजनैतिक इतिहास में पहली बार चुनावी मुद्दा पिछले पांच वर्षओं तक चला श्री अशोक गहलोत की सरकार का शासन मुख्य मुद्दा रहा। अतः चुनावों में जो शानदार मत प्रतिशत रहा है उसे देखकर कोई भी चुनावी पंडित परिणामों के बारे में पारंपरिक भविष्यवाणी नहीं कर सकता। सायं पांच बजे तक ही राज्य में फौरी आकलन के अनुसार 70 प्रतिशत के करीब मतदान हो चुका था। इसके साथ ही जिस प्रकार गहलोत सरकार द्वारा अपने शासनकाल में चलाई गई जन कल्याणकारी योजनाओं की चर्चा पूरे चुनावी विमर्श में रही उससे भी सत्ता के विरुद्ध और सत्ता के पक्ष में लोगों के रुझान का अनुमान मत प्रतिशत देखकर लगाना बुद्धिमानी नहीं होगी। चुनावों में जो लोग आम मतदाताओं की सजगता और चातुर्य व राजनैतिक सूझबूझ पर शक करते हैं वे भारत के लोकतन्त्र की जीवन्तता को पहचानने में भूल कर देते हैं।

चुनावी राजनीति में न कोई रिवाज होता है और न कोई रूढ़ीवादी परंपरा होती है। सब कुछ मतदाताओं की बुद्धि और विवेक पर निर्भर करता है। मतदाता का जैसा मन होता है वह वैसा ही व्यवहार राजनीतिज्ञों के साथ चुनावों के समय करता है क्योंकि इस दिन वह लोकतन्त्र का शहंशाह होता है। उसके एक वोट की कोई कीमत नहीं होती क्योंकि कभी—कभी प्रत्याशी एक वोट तक से हार जाता है और एक ही वोट के अंतर से देश की सरकारें तक गिर जाती हैं। परन्तु बदलते समय के अनुसार जिस प्रकार से चुनाव प्रचार के माध्यमों में अंतर आ रहा है उसकी वजह से चुनाव आयोग की भूमिका भी बहुत बढ़ गई है। चुनावों से पहले लागू आचार संहिता की आवश्यकताएं भी बदलती हुई दिखाई पड़ रही हैं। अपनी चुनाव प्रणाली को अधिकाधिक पवित्र व शुचितापूर्ण बनाने के लिए आने वाले समय में चुनाव आयोग को बहुत मेहनत करनी पड़ सकती है। राजस्थान के चुनाव एक सकारात्मक सन्देश देकर भी गये हैं क्योंकि पूरे चुनाव प्रचार के दौरान चुनावी विमर्श में आम लोगों के वे मुद्दे ही केन्द्र में रहे जिनका सम्बन्ध उनके जीवन की समस्याओं से होता है। इनमें शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, महंगाई, खेती—किसानी और सामाजिक न्याय मुख्य रहे। वास्तव में लोकतन्त्र में विधानसभा के चुनावों में चुनावों के अवसर पर यदि लोगों से जुड़े मुद्दे नहीं आ पाते हैं। कहीं न कहीं आम आदमी चुनावों से गायब ही माना जाता है। राजस्थान के भूगोल को जो लोग जानते हैं और इसकी सामाजिक संरचना से वाकिफ हैं उन्हें मालूम है कि राज्य की राजनीति पर पुराने राजे—रजवाड़ों का कितना प्रभाव रहा है। इसकी वजह यह है कि राजपूताना का इतिहास 'वचन' पर मर मिटने वालों का इतिहास रहा है। आधुनिक समय में जो राजनीति चल रही है उसमें भी वचन का खेल ही हो रहा है। सम्पन्न चुनावों में कांग्रेस व भाजपा दोनों की तरफ से लोगों को कुछ गारंटियां देने का वचन दिया गया है। ये सभी गारंटियां आम लोगों का जीवन स्तर सुधारने से ही सम्बन्धित हैं परन्तु पिछले पांच साल में अशोक गहलोत ने जिस प्रकार स्वास्थ्य के अधिकार को नागरिकों का मूलभूत अधिकार बना कर कांग्रेस की तरफ से अन्य गारंटियां दीं उन्हें लोग किस प्रकार से लेते हैं, इसका पता हमें आगामी 3 दिसम्बर को चलेगा जिस दिन वोटों की गिनती के बाद चुनाव परिणाम आयेंगे। चुनाव परिणाम जो भी आयें वे लोगों का फैसला ही होगा और जिस भी पार्टी के हक में यह फैसला आयेगा उनमें से एक सत्ता के सिंहासन पर बैठेगी और दूसरी विपक्ष की भूमिका निभायेगी। यह उम्मीद की जा रही है कि चुनावों में जनता का स्पष्ट जनादेश आयेगा क्योंकि हाल के वर्षों में प. बंगाल से लेकर कर्नाटक व गुजरात व हिमाचल में जितने भी विधानसभा चुनाव हुए हैं उन सभी में जनता ने स्पष्ट जनादेश दिया है और अपनी मन पसन्द सरकार गठित की है। वैसे राजस्थान की परंपरा भी यही है कि यहां की जनता प्रायः स्पष्ट जनादेश ही देती है। मतदान शानदार होने का मतलब भी मोटे तौर पर यही निकाला जा सकता है कि जनता निर्णायक फैसला देने जा रही है। इसकी एक वजह यह भी है कि चुनाव प्रचार के दौरान लोगों में दोनों प्रमुख पार्टियों के चुनावी विमर्श को देखते हुए किसी प्रकार भ्रम भी नजर नहीं आया। इसका कारण यह भी कहा जा सकता है कि राजस्थानी आमतौर पर बहुत सीधे—सादे और मन से साफ लोग होते हैं। वे लाग—लपेट के साथ कोई काम करना पसन्द नहीं करते। जाहिर है कि राजनीति में भी इसका अक्स जरूर दिखाई देगा। सबसे सुखद यह रहा कि पूरे मतदान में अपनी शान्ति व सौहार्द की संस्कृति को सिर— माथे रखते हुए राज्य के चुनावों में कहीं भी हिंसा होने की खबर नहीं आयी। इसके लिए राजस्थान के लोग बधाई के पात्र हैं।

सीतारमण ने वैश्विक निवेशकों को दिया बड़ा भरोसा— घबराएं नहीं, 2024 में अच्छे बहुमत से सत्ता में लौट रहे हैं मोदी

अर्थव्यवस्था के मोर्चे पर लगातार अच्छी खबरें मिल रही हैं। वैश्विक एजेंसियां जहां भारत की आर्थिक वृद्धि दर का अनुमान बढ़ा रही हैं वहीं देश में महंगाई लगातार कम हो रही है और रोजगार के अवसर तेजी से बढ़ रहे हैं। यह सब तब है जब लगभग विश्व का हर छोटा—बड़ा देश तमाम तरह के झंझटों का सामना कर रहा है मगर भारत की आर्थिक नीतियों की बदौलत देश लगातार तरक्की के रास्ते पर है। भारत में विदेशी निवेश भी अपने सर्वोच्च स्तर पर है, देश में अगले साल होने वाले लोकसभा चुनावों को देखते हुए कहीं विदेशी निवेशक सतर्क ना हो जाए या अपना निवेश घटाने नहीं लगें, इसके लिए वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने वैश्विक निवेशकों को बड़ा भरोसा भी दिलाया है।

हम आपको बता दें कि निर्मला सीतारमण ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के वर्ष 2024 में अच्छे बहुमतश के साथ सत्ता में वापसी करने का दावा करते हुए कहा है कि इसे लेकर वैश्विक निवेशकों को श्घबराने की जरूरत नहीं है।श सीतारमण ने यह भी कहा कि सरकार आर्थिक वृद्धि की रफ्तार तेज करने के लिए व्यवस्थागत सुधार लागू करने को प्रतिबद्ध है। हम आपको बता दें कि वित्त मंत्री ने श्इंडिया ग्लोबल फोरमश की तरफ से आयोजित एक ऑनलाइन चर्चा में शामिल होते हुए कहा, षनिवेशकों को अप्रैल—मई 2024 में होने वाले आम चुनावों के नतीजों को लेकर थोड़ा भी घबराने की जरूरत नहीं है। उन्होंने कहा, षनिवेशकों का उम्मीद भरा इंतजार करना सामान्य है और मैं इसे समझ सकती हूं। लेकिन मेरे साथ कई लोगों की भारतीय अर्थव्यवस्था पर नजर है, राजनीतिक माहौल पर नजर है, जमीनी स्तर की वास्तविकताओं को देख रहे हैं। आज स्थिति यही है कि प्रधानमंत्री मोदी वापस आ रहे हैं और अच्छे बहुमत के साथ आ रहे हैं।

सीतारमण ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व वाली सरकार ने कई पहल की हैं जिससे हर भारतीय के जीवन में बदलाव आया है और कारोबारी माहौल में सुधार हुआ है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि इस सरकार ने एक के लिए नहीं बल्कि सबके लिए काम किया है। रोजगार के मोर्चे पर उन्होंने कहा कि सरकार हर महीने आयोजित होने वाले रोजगार मेलों के जरिये इस साल दिसंबर तक देश के युवाओं को 10 लाख नौकरियां देने के लिए प्रतिबद्ध है। इनमें से लगभग आठ लाख नौकरियां इस साल अब तक दी जा चुकी हैं। वित्त मंत्री ने जलवायु कार्रवाई के बारे में कहा कि भारत अपने पैसे से इस दिशा में आगे बढ़ रहा है। उन्होंने जीवाश्म ईंधन की जगह स्वच्छ ऊर्जा अपनाने को वित्तपोषण के लिए उभरती और विकासशील अर्थव्यवस्थाओं के लिए एक चुनौती बताया।

सीतारमण ने भारत—पश्चिम एशिया—यूरोप संपर्क गलियारा (आईएमईसी) पर इजराइल और फलस्तीन में चल रहे संघर्ष के असर के बारे में पूछे जाने पर कहा कि यह एक दीर्घकालिक परियोजना है और यह किसी एक प्रमुख घटना पर निर्भर नहीं होगा। हम आपको याद दिला दें कि प्रस्तावित गलियारे के निर्माण पर सितंबर में नयी दिल्ली में आयोजित 18वें जी—20 शिखर सम्मेलन के दौरान हस्ताक्षर किए गए थे। यह एक बहुआयामी आर्थिक गलियारा है जिसमें जहाज, रेल और सड़क के कई नेटवर्क शामिल हैं।

भारत का वृद्धि अनुमान बढ़ाया

इस बीच, एसएंडपी ग्लोबल रेटिंग्स ने चालू वित्त वर्ष 2023—24 के लिए भारत का वृद्धि अनुमान छह प्रतिशत से बढ़ाकर 6.4 प्रतिशत कर दिया है। अमेरिका स्थित एजेंसी ने कहा कि उच्च खाद्य मुद्रास्फीति तथा कमजोर निर्यात से उत्पन्न बाधाएं दूर होती दिख रही है जिसके चलते वृद्धि अनुमान को बढ़ाया गया है। एजेंसी ने हालांकि अगले वित्त वर्ष 2024—25 के लिए वृद्धि अनुमान को घटाकर 6.4 प्रतिशत कर दिया है, क्योंकि उसका मानना है कि उच्च आधार प्रभाव तथा धीमी वैश्विक वृद्धि के कारण चालू वित्त वर्ष की दूसरी छमाही (अक्टूबर—मार्च) में वृद्धि धीमी रहेगी। एसएंडपी ने कहा, श्हमने वित्त वर्ष 2023—24 (मार्च 2024 में समाप्त होने वाले) के लिए भारत की जीडीपी वृद्धि के अपने अनुमान को छह प्रतिशत से बढ़ाकर 6.4 प्रतिशत कर दिया है, क्योंकि मजबूत घरेलू गति उच्च खाद्य मुद्रास्फीति तथा कमजोर निर्यात से होने वाली बाधाओं की भरपाई करती दिख रही है।'' एजेंसी ने कहा, कमजोर वैश्विक वृद्धि, उच्च आधार और दरों में बढ़ोतरी के विलंबित प्रभाव के बीच वित्त वर्ष की दूसरी छमाही में वृद्धि धीमी रहने का अनुमान है। परिणामस्वरूप हमने वित्त वर्ष 2025 में वृद्धि के लिए अपना अनुमान 6.9 प्रतिशत से घटाकर 6.4 प्रतिश्त कर दिया है।'' हम आपको बता दें कि वित्त वर्ष 2022—23 (31 मार्च 2023 को समाप्त) में भारतीय अर्थव्यवस्था 7.2 प्रतिशत बढ़ी। अप्रैल—जून तिमाही में भारत की जीडीपी 7.8 प्रतिशत बढ़ी थी।

योगी कैबिनेट के मंत्रियों की बैठक आज, देंगे दिशा निर्देश

लखनऊ। यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ ने 28 नवंबर को अपने मंत्रियों की बैठक बुलाई है। इसमें वह अपने मंत्रियों, राज्य मंत्रियों और स्वतंत्र प्रभार वाले रखते हुए मंत्रियों को सरकार की योजनाओं के प्रभावी अमल के विशेष काम में लगाया जा सकता है।विधानसभा सत्र में पेश होने वाले अनुपूरक बजट के मसौदे को पहले

मंत्रियों को खास संदेश देंगे। उनसे कामकाज की जानकारी ली जाएगी। सीएम उन्हें आगे की कार्ययोजना के बारे में बतायेंगे। लोकसभा चुनाव को ध्यान में कैबिनेट से पास कराया जाएगा। इसके लिए 28 नवंबर को लोकभवन में मंत्रिपरिषद की बैठक बुलाई गई है और उसके बाद मंत्रिमंडल की बैठक होगी। इस बैठक को काफी अहम माना जा रहा है। मुख्यमंत्री राज्यमंत्रियों को खास तौर पर आगे की कार्ययोजना के बारे में बताएंगे। मंत्रियों को आने वाले वक्त में योजनाओं को जनता तक पहुंचाने के निर्देश दिए जा सकते हैं। इसमें विधानमंडल सत्र के बाद जनता के बीच जाने, समस्याओं के निराकरण, संवाद संपर्क बढ़ाने पर जोर रहेगा। राज्यमंत्रियों को लोकसभा चुनाव के मुद्देनजर अपने जिले और प्रभार वाले जिले में विकास का एजेंडे के प्रभावी अमल के बाबत निर्देश दिए जा सकते हैं। कैबिनेट की बैठक में अनुपूरक बजट के अलावा कुछ विधेयकों के मसौदे को मंजूरी दी जायेगी। औद्योगिक विकास विभाग, लोक निर्माण विभाग, उच्च शिक्षा विभाग, परिवहन विभाग, माध्यमिक शिक्षा व वित्त विभाग के प्रस्ताव मंजूर कराए जा सकते हैं।

रुपए के लिए दरोगा की प्रताड़ना,पीड़ित बोला, साहब कहते हैं गांजे के केस में बंद कर दूंगा

बांदा। जिले में चौकी इंचार्ज समेत 5 लोगों के खिलाफ धोखाधड़ी सहित संगीन धाराओं में मामला दर्ज कर लिया गया है। पीड़ित ने आरोप लगाया है की चौकी इंचार्ज ने एक दलाल के कहने पर 50 हजार रुपए की मांग की और पैसे नहीं देने पर एनडीपीसी एक्ट में जेल भेजने की धमकी दी थी। पूरा मामला शहर कोतवाली क्षेत्र के मवई बुजुर्ग का है। गांव के देशराज प्रजापति की पत्नी की बीमारी में उसने इलाज के लिए एक लाख रुपए की मदद की थी। इसके साथ ही दो लाख रुपए अपने परिचित से से दिलाए थे।रुपए देने के 20 दिन बाद देशराज ने अपनी जमीन बेचकर उसे एक लाख रुपए और दो लाख का चेक सुनील कुमार के नाम काटकर दिया था। वही बताया गया की गांव का रहने वाला दशुआ जो की पुलिस चौकी कृषि विश्वविद्यालय में दलाली करता है। दसुआ ने चौकी इंचार्ज रोशन गुप्ता को कहा की अगर वह देशराज द्वारा दिया गया दो लाख रुपए का चेक उसे दिलवा दे तो वह देशराज से आपको 50 हजार रुपए दिला देंगे। दसुआ और चौकी इंचार्ज ने मिलकर देशराज प्रजापति से एक प्रार्थना पत्र बनवाकर दो लाख का चेक जानकी सहाय से वापस लेने के लिए पुलिस घर में भेज दी थी। चौकी इंचार्ज के कहने पर हेड कांस्टेबल इंद्रजीत यादव और सतेंद्र कुमार उसे घर से पकड़कर चौकी ले आए। कहा पर उसे मारा पीटा गया और चौकी इंचार्ज ने जानकी धमकी की 50 हजार रूपए लाकर दो नही तो गांजा लगाकर जेल में बंद करा दूंगा। जेल जाने के डर से उसने 50 हजार रुपए दे दिए। चौकी इंचार्ज ने चौकी में फर्जी सुलहनामा भी लिखवा लिया साथ ही 10 दिन का समय देते हुए एक लाख 50 हजार रुपए और देने की बात कहकर छोर दिया था। इसकी शिकायत जानकी ने डीआईजी, एसपी से की लेकिन उसकी वहा कोई सुनवाई नही हुई। अंत में पीड़ित ने न्यायालय का सहारा लिया जहा पर न्यायालय के आदेश पर चौकी इंचार्ज समेत 5 लोगों पर संगीन धाराओं 420,504,506,323,342 में मुकदमा दर्ज कर लिया है।

काशी-मथुरा में जलाभिषेक की तैयारी पूरी, हिन्दू महासभा ने पदाधिकारियों को बांटी जिम्मेदारी

लखनऊ। अखिल भारत हिन्दू महासभा ने आगामी छह दिसंबर को काशी विश्वनाथ मन्दिर और कृष्ण जन्मभूमि मथुरा में होने जा रहे जलाभिषेक की तैयारियों को अंतिम रूप दे दिया है। पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष ऋषि त्रिवेदी की अध्यक्षता में हुई वर्चुअल बैठक को संबोधित करते हुए बताया कि जलाभिषेक कार्यक्रम की सफलता के लिए प्रदेश संगठन मंत्री राजकुमार सिंह के द्वारा पूर्वांचल टिम का गठन हेतु पूर्वांचल अध्यक्ष श्रीकांत पांडे, प्रदेश उपाध्यक्ष संतोष सिंह, तथा सुबोध चौबे प्रदेश विशेष सलाहकार को नामित किया गया जो जल्द ही पूर्वांचल के जिला अध्यक्षों से मिलकर टीम गठित कर बनारस बाबा विश्वनाथ पर जलाअभिषेक की व्यवस्था को संभालेंगे। जबकि श्री कृष्ण जन्मभूमि मथुरा में मथुरा से जिला अध्यक्ष छाया गौतम, प्रदेश उपाध्यक्ष संजय हरियाणा, प्रदेश मीडिया प्रभारी रजत शर्मा तथा आगरा से जिला अध्यक्ष सौरभ राष्ट्रीय प्रवक्ता संजय जाट आदि पदाधिकारी मिलकर मथुरा जन्मभूमि पर जलाभिषेक के कार्यक्रम को सफल बनाने हेतु व्यवस्था देखेंगे। पश्चिमांचल से प्रदेश मंत्री सौरभ सिंह राजावत अपनी टीम के साथ

व्यवस्था को देखेंगे। प्रदेश महामंत्री सिद्धार्थ दुबे के द्वारा जलाभिषेक के कार्यक्रम को लेकर मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश, व जिलाधिकारी बनारस तथा जिलाधिकारी मथुरा को पत्र के माध्यम से अनुमति एवं व्यवस्था देने हेतु पत्र के माध्यम से निवेदन किया गया है। श्री त्रिवेदी ने बताया कि बबीता यादव महिला प्रदेश अध्यक्ष अपनी व अपने जिला अध्यक्ष की टीम की हजारों महिलाओं साथ जलाभिषेक करने का आवाहन किया। प्रदेश प्रवक्ता बाबा महादेव प्रदेश मंत्री राकेश दत्त मिश्रा, प्रदेश कोषाध्यक्ष चंद्र मौली शुक्ला, प्रदेश मंत्री धर्मेंद्र पांडे, प्रचार मंत्री सुनील कुमार सिंह, प्रदेश मंत्री सुमन उपाध्याय आदि पदाधिकारी कमान संभालेंगे।

स्वस्थ लोगों के आधार पर ही स्वस्थ समाज का निर्माण हो सकता है : दानिश अंसारी

लखनऊ। यूनानी चिकित्सा पद्धति बहुत उपयोगी है, हमें अपने स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान देना चाहिए। स्वस्थ लोगों के आधार पर ही स्वस्थ समाज का निर्माण हो सकता है। ये बातें उत्तर प्रदेश सरकार के अल्पसंख्यक राज्य मंत्री दानिश आजाद अंसारी ने कहीं. आज, वह ईशू और तकमीलुत्तिब्ब कॉलेज के सहयोग से आयोजित निःशुल्क यूनानी चिकित्सा शिविर में शामिल हुए। हकीम सैयद मुहम्मद हस्सान नगरामी की याद में आयोजित यूनानी चिकित्सा शिविर का उद्घाटन करते हुए राज्य मंत्री दानिश आजाद अंसारी ने कहा कि यूपी सरकार लोगों को इलाज की यूनानी पद्धति के करीब लाने के लिए भी प्रयास कर रही है और वह भी इसमें भाग ले रहे हैं. अभी हम बरेली में युनानी मेडिकल कॉलेज बना रहे हैं, इसके अलावा सरकार सभी जिलों में लोगों को जागरूक करने का काम कर रही है. ईशू संस्था द्वारा यूनानी इलाज पद्धति को बढ़ावा देने के लिए किए जा रहे प्रयास सराहनीय हैं।

इस मौके पर ईदगाह के इमाम और ईशू के संरक्षक मौलाना खालिद रशीद फरंगी महली ने कहा कि आज इस कैंप से आसपास के लोगों को बड़ी संख्या में फायदा हुआ है। यूनानी इलाज पद्धति का मुख्य लाभ यह है कि इसका कोई साइड इफेक्ट नहीं होता है और इलाज भी सस्ता होता है। ईशू के चेयरमैन सेवानिवृत्त आई. ए. एस. डॉ. अनीस अंसारी ने कहा कि इलाज की यूनानी पद्धति को जन–जन तक पहुंचाने की जरूरत है। इस संबंध में विशेष प्रयास किये जा रहे हैं। सरकार को इस पर भी विशेष ध्यान देना चाहिए. यूनानी चिकित्सा पद्धति बहुत पुरानी चिकित्सा पद्धति है, इस उपचार पद्धति से कई रोगों का इलाज सफलतापूर्वक किया जा रहा है। स्टेट तकमीलुत्तिब्ब कॉलेज, लखनऊ के प्राचार्य प्रो. नफासत अली अंसारी ने अर्क ए अजीब का परिचय देते हुए कहा कि अर्क ए अजीब वास्तव में अजीब है। कोरोना महामारी के दौरान भी इसका वितरण बड़ी संख्या में किया गया था. इसका उपयोग सर्दी, फ्लू, खांसी और अन्य बीमारियों में किया जाता है। इस अवसर पर प्रोफेसर नफासत अली ने काली मिर्च, कलौंजी, दाल चीनी और मुलेठी को किचन मेडिसीन की दवा के रूप में पेश किया। ये चार मसाले हर घर की रसोई में मौजूद होते हैं। हम इनका उपयोग खाना पकाने में तो करते ही हैं लेकिन इनका उपयोग औषधि के रूप में भी किया जाता है। प्रो. नफासत अली ने लोगों को चारों मसालों को अलग–अलग उपयोग करने के बारे में विस्तार से बताया। इंस्टिट्यूट फॉर सोशल हार्मोनी एंड अपलिफ्टमेंट के महासचिव मुहम्मद खालिद ने मुख्य अतिथि अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री दानिश आजाद अंसारी और अन्य अतिथियों का स्वागत किया और ईशू के लक्ष्य और उद्देश्यों और संगठन के तहत किए जा रहे कार्यों को प्रस्तुत किया।

इस मौके पर तकमीलुत्तिब्ब कॉलेज के डॉक्टरों का पैनल मौजूद रहा. कैम्प में विशेष रूप से में प्रोफेसर नफासत अली, पूर्व डायरेक्टर युनानी डॉक्टर सिकंदर हयात सिद्दिकी, डॉक्टर आफताब हाशमी, हकीम अख्तर सईद, डॉक्टर मुईद अहमद, सुहेल सिद्दिकी, पुर्व मंत्री मुईद अहमद, अरशद आजमी उपस्थित थे।

किन्नरों को रामलला पुजारी बनाने की मांग हुई,

जगदगुरु परमहंसाचार्य बोले, किन्नर हमारे समाज का अंग,उन्हें आरक्षण मिले

अयोध्या। अयोध्या तपस्वी छावनी के जगतगुरु परमहंसाचार्य ने श्रीरामजन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट से मांग किया है कि किन्नरो को एक प्रतिनिधि किन्नर रामलला का पुजारी भी होना चाहिए जैसे कि भगवान ने कहा है कि ष्चातुर्वर्ण्यं मया सृष्टं गुणकर्मविभागशःष चारों वर्णों की सृष्टि भगवान ने की है। उन्होंने कहा कि चारों भगवान से पैदा हुए हैं। चारो भाई हैं और इनमें कोई ऊंच –नीच नहीं है। कर्म के अनुरूप विभाजित हुए हैं, इसी लिए चारों वर्णों के पुजारी भी होना चाहिए।उन्होंने किन्नरों को आरक्षण देने की मांग भी की। जगद्गुरु परमहंसचार्य मिल्कीपुर में किन्नर समाज के गुरु पिंकी मिश्रा ने क्षेत्र व जिले की सुख समृद्धि व आरोग्य के लिए जागरण एवं विशाल भंडारे के आयोजन में आए हुए थे। कार्यक्रम में जगतगुरु परमहंसाचार्य पहुंचे जहां किन्नरो ने उनकी पूजा अर्चना की। जगदगुरु परमहंसाचार्य ने कहा कि अयोध्या में रामलला के मंदिर का उद्घाटन आगामी 22 जनवरी के दिन अभिजीत मुहूर्त, मृगशिरा नक्षत्र में 12.20 बजे सुनिश्चित कर दिया गया है। यह दुर्लभ मुहूर्त लगभग 5000 वर्ष के बाद पड़ रहा है। उसी दिन भगवान राम लला मंदिर में विराजमान होने जा रहे हैं, बहुत बड़ी बात है। देश के प्रधानमंत्री, संघ प्रमुख मोहन भागवत समेत करीब 4500 सौ संत, महात्मा, धर्माचार्य उद्घाटन समारोह में आ रहे हैं।

इतना ही नहीं जगतगुरु परमहंसाचार्य ने कहा श्रीराम जन्मभूमि ट्रस्ट को चाहिए कि जो प्रमुख किन्नर है। उनको रामलला के भव्य मंदिर के उद्घाटन का निमंत्रण पत्र भेजा जाए। हमने केंद्र सरकार और राज्य सरकारों से मांग किया है। कि किन्नरो को भी आरक्षण मिलना चाहिए। चाहे लोकसभा हो चाहे विधानसभा हो कुछ सीटे ऐसी आरक्षित कर दी जाए। जिसमें किन्नर समाज के ही लोग चुनाव लड़ सके। इससे यह होगा जब किन्नर भी मंत्री, विधायक व सांसद बनेंगे तो वे अपने समाज के बारे में ज्यादा जानेंगे और बेहतर सोच सकेंगे।उन्होंने कहा कि किन्नर देवताओं की श्रेणी में है किन्नर के ही आशीर्वाद से रामराज्य की परिकल्पना साकार हो सकती है। इस मौके पर किन्नर समाज के महामंडलेश्वर गोरखपुर बरखा मां, दर्जा प्राप्त राज्य मंत्री उत्तर प्रदेश मधु उर्फ काजल किन्नर, जिला पंचायत सदस्य चांदनी किन्नर के अलावा कई जिलों के किन्नर समाज के साथ अन्य लोग मौजूद रहे।

अतीक की डीपी लगाकर डराया, जमीन पर किया कब्जा,शिकायत करने पर दबंगों ने दी जान से मारने की धमकी

अलीगढ़। जिले के अतरौली थाना क्षेत्र में डॉन अतीक अहमद का डर दिखाकर दबंगों ने एक कारोबारी की 2 बीघा जमीन पर कब्जा कर लिया। इतना ही नहीं आरोपियों ने जमीन मालिक को जान से मारने की धमकी भी दे डाली। आरोपी अपने सोशल मीडिया एकाउंट पर माफिया अतीक की डीपी लगाकर सबको डराता था। जिसके बाद पीड़ित ने पुलिस को शिकायत की और आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है। पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ नामजद मुकदमा दर्ज किया है। साथ ही उनकी गिरफ्तारी के लिए दबिश शुरू कर दी है। पुलिस ने पीड़ित को विश्वास दिलाया है कि उसकी जान और माल को किसी तरह का खतरा नहीं होने दिया जाएगा।

अलीगढ़ के छर्रा इलाके के रहने वाले हर्षित गुप्ता का हार्डवेयर का विजनेस है। उन्होंने बताया कि बीते दिनों वह अतरौली में अपनी पैतृक संपत्ति को देखने गए थे। तब उन्हें पता चला कि कुछ अराजक तत्व जो खुद को अतीक अहमद के गैंग का बताते हैं। उन्होंने उनकी जमीन पर कब्जा करना शुरू कर दिया था। आरोपी उनकी जमीन पर बालू और रेत गिरवा रहे थे। जब उन्होंने इसका विरोध किया तो उन्होंने उन्हें धमकाया और जान से मारने की धमकी दी। उन्होंने खुद को अतीक अहमद का करीबी बताया। पीड़ित ने बताया कि आरोपी अतीक को अपना आदर्श मानता है और मोबाइल ओर सोशल मीडिया पर उसकी डीपी लगाकर रखता है। जिसके बाद उन्होंने पुलिस को इस मामले की शिकायत की है और मुकदमा दर्ज कराया है। माफिया डॉन अतीक अहमद की रिश्तेदारी अलीगढ़ के अतरौली में भी है। अतरौली में अतीक की एक बहन ब्याही हुई है और यहां भी उसका आना जाना रहता था। जिसके चलते गांव के लड़के अतीक को अपना आदर्श मानते थे और उस जैसा ही बनना चाहते हैं। अब पुलिस सारे मामले की जांच में जुट गई है। आरोपियों ने अपने मोबाइल पर माफिया अतीक की फोटो डीपी में लगा रखी है। आरोपी उसे अपना गुरु और आदर्श बताते थे। लोगों को यही दिखाकर धमकाते भी थे। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने जब मामले की जांच शुरू की तो आरोपियों की सोशल मीडिया एकाउंट पर अतीक अहमद की फोटो नजर आई। जिसके बाद पुलिस ने कार्रवाई तेज कर दी है। पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने 7 आरोपियों, अरमान खान, फुरखान खान, सुल्तान खान, नादिर गाजी,अहमद खान, हारुन खान और जाहिद खान के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। मुकदमा दर्ज करने के साथ ही पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। इसके साथ ही आरोपियों की तलाश में दबिश दी जा रही है। इसमें से अरमान खान, फुरखान खान, सुल्तान खान तीनों भाई हैं। अरमान खान सबसे बड़ा है। वह कोई काम नहीं करता है। सीओ अतरौली मोहसिन खान ने बताया कि मुकदमा दर्ज करने के साथ ही एक आरोपी को गिरफ्तार कर उसका चालान कर दिया गया है। इसके साथ ही राजस्व विभाग से भी संपर्क किया जा रहा है और मामले की जांच की जा रही है। जांच के आधार पर आगे की कार्रवाई की जा रही है।

हर्षोल्लास से मनाया गया साहिब श्री गुरु नानक देव जी महाराज का प्रकाश उत्सव

लखनऊ। आज जगत गुरु साहिब श्री गुरू नानक देव जी महाराज का प्रकाश उत्सव (जन्मोत्सव) ऐतिहासिक गुरूद्वारा श्री गुरू नानक देव जी नाका हिंडोला की ओर से डी0 ए0 वी0 इण्टर कालेज ऐशबाग रोड, लखनऊ में बड़ी श्रद्धा एवं हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। श्री अखण्ड पाठ साहिब जी की समाप्ति के पश्चात् पाँच प्यारों की अगुवाई में समूह साध संगत द्वारा श्री गुरूग्रन्थ साहिब जी की शाही सवारी को शबद कीर्तन गायन करते हुए गुरूद्वारा साहिब से नाका हिण्डोला होते हुए डी0 ए0 वी0 इण्टर कालेज ऐशबाग रोड में सजे पंडाल में ले जाया गया। फूलों से सुसज्जित भव्य पंडाल एवं भव्य स्टेज पर श्री गुरू ग्रन्थ साहिब जी का प्रकाश किया गया। रागी जत्था भाई राजिन्दर सिंह जी द्वारा पवित्र आसा की वार के अमृतमयी कीर्तन से कार्यक्रम आरम्भ हुआ। बहुत सुबह से ही लखनऊ एवं आस–पास के इलाकों से हजारों की संख्या में श्रद्धालु डी0 ए0 वी0 इण्टर कालेज में पहुँचने लगे तथा पक्तियों में खडे होकर श्री गुरू ग्रन्थ साहिब जी के दर्शन के पश्चात अपना स्थान ग्रहण कर गुरूबाणी का रसपान किया। आकाशवाणी लखनऊ केन्द्र द्वारा आधे घन्टे का सीधा प्रसारण करके प्रदेश भर की संगतों को कार्यक्रम का रसास्वादन कराया गया। श्री गुरू सिंह सभा के अध्यक्ष स0 राजेन्द्र सिंह बग्गा ने इस अवसर पर उपस्थित संगतों को

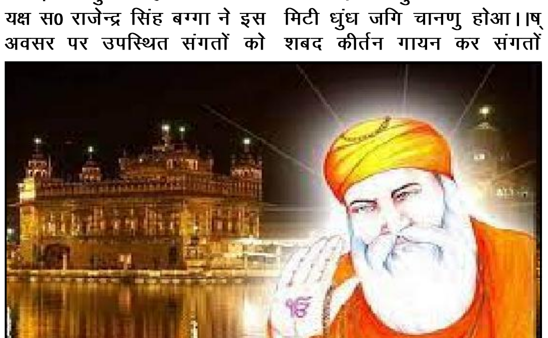

प्रकाश पर्व की बधाई दी तथा बधाई संदेश आकाशवाणी लखनऊ द्वारा भी प्रसारित किया गया। विशेष रूप से पधारे भाई जसबीर सिंह जी खालसा यू0 के0 वालों ने अपनी मधुरवाणी में कलि तारण गुरु नानक आइया।। शबद कीर्तन गायन कर समूह साध संगत को निहाल किया। प्रचारक सुखदेव सिंह जी अमृतसर वालों ने साहिब श्री गुरू नानक देव जी के जीवन पर दिल को छू देने वाले विचार व्यक्त किये। रागी जत्था भाई सुरजीत सिंह जी हजूरी रागी गुरुद्वारा छोटे साहिब जादे दिल्ली वालों ने गुर का शबद ष्सतिगुर नानक प्रगटिआ मिटी धुंध जगि चानणु होआ।।ष् शबद कीर्तन गायन कर संगतों को मन्त्रमुग्ध कर दिया। सिमरन साधना परिवार के बच्चों एवं माता गुजरी सत्संग सभा,लखनऊ की सदस्याओं ने भी इस कार्यक्रम में शबद कीर्तन गायन किया। डी0 ए0 वी0 इण्टर कालेज में दिन भर गुरबाणी कीर्तन तथा गुरमत विचारों का कार्यक्रम चला जिसका संचालन स0 सतपाल सिंह मीत ने किया। समागम में लंगर के वितरण की सेवा सिख यंग मेन्स एसोसियेशन एवं दशमेश सेवा सोसाइटी द्वारा की गयी। कई स्वयंसेवी संस्थाओं द्वारा संगत की सेवा आइसक्रीम, चाय काफी, ब्रेड, छोले, जलेबी, कढ़ी चावल, गन्ने के रस की खीर आदि अनेक तरह के व्यंजनों के स्टाल लगाकर की गई। सम्पूर्ण कार्यक्रम के देखरेख स0 तरनजीत सिंह मक्कड़ उपाध्यक्ष एवं स0 हरमिन्दर सिंह टीटू महामंत्री ने की। लंगर पकवाने एवं वितरण की व्यवस्था तजिन्दर सिंह एवं कुलदीप सिंह सलूजा की इंदरजीत सिंह देखरेख में हुई। दिन के 12:00 बजे से गुरू का लंगर संगत में वितरित किया गया,जिसमें हजारों की संख्या में लोगों ने लंगर ग्रहण किया। अरदास के उपरान्त उपस्थित श्रद्धालुओं में प्रसाद वितरित किया गया। कार्यक्रम की समाप्ति पर श्री गुरू सिंह सभा के अध्यक्ष स0 राजेन्द्र सिंह बग्गा ने सभी सिख संगठनों,जत्थेबन्दियों सिख सेवक जत्था पंजाबी यूथ एसोसियेशन एवं प्रशासन को गुरू जी की कृपा ''सिरोपा तथा स्मृति चिन्ह'' भेंट कर सम्मानित किया। गुरु श्री हरिराय जी डायग्नोस्टिक सेंटर द्वारा मेडिकल कैंप एवं रक्तदान शिविर मनमीत सिंह बंटी की देख रेख में लगाया गया जिसमें कई लोगों ने अपना रक्तदान किया।

सर्वदलीय बैठक में विधानसभा की नई नियमावली का विमोचन,

सपा ने अनुपूरक बजट के औचित्य पर खड़े किए सवाल

लखनऊ। यूपी विधानसभा के मानसून सत्र की मंगलवार से शुरुआत हो रही है, सदन में इस बार सरकार अनुपूरक बजट भी पेश करेगी। वहीं विधानसभा की कार्रवाई नई नियमावली के तहत संचालित होगी। 65 साल बाद विधानसभा की नई नियमावली तैयार की गई है। इससे पहले आज विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना ने सर्वदलीय बैठक बुलाई । ऑल पार्टी मीट में सभी दलों के नेता शामिल हुए। विधानसभा को सुचारू रूप से चलाने पर सहमति बनी हालांकि समाजवादी पार्टी ने अनुपूरक बजट को लेकर सरकार पर निशाना साधा है तो वहीं कांग्रेस का कहना है की नई नियमावली में सदस्यों के सम्मान और सदन की गरिमा को देखते हुए बैलेंस बनाना चाहिए। प्रदेश सरकार की तैयारी 29 नवंबर को सदन में अनुपूरक बजट पेश करने की है। इसका आकार 45000 करोड़ तक का हो सकता है। हालांकि समाजवादी पार्टी की तैयारी अनुपूरक बजट पर सरकार को घेरने की है। समाजवादी पार्टी के विधानसभा में मुख्य सचेतक मनोज पांडेय का साफ तौर पर कहना है कि पहले इस पर बहस होनी चाहिए कि जिन विभागों को बजट दिया गया और वह विभाग अपने बजट का 20 फीसदी हिस्सा भी खर्च नहीं कर पाए तो उन्हें बजट मांगने का भी अधिकार नहीं होना चाहिए। और ना ही उन्हें अनुपूरक बजट देने का कोई औचित्य बनता है।

सतीश महाना जब से विधानसभा अध्यक्ष बने हैं उनकी कोशिश है कि कैसे विधानसभा को मॉर्डन लुक दिया जाए। हर बार सत्र से पहले विधानसभा के किसी ना किसी हिस्से की साजो सज्जा की जाती है। इस बार विपक्षी दलों के कार्यालय को सजाया और सँवारा गया है। समाजवादी पार्टी मुख्य विपक्षी दल है इसलिए उसके कार्यालय का आकार अब बढ़ाया गया है । और हाईटेक लुक दिया गया है। इस नए विधानमंडल कार्यालय का कल विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना और नेता प्रतिपक्ष अखिलेश यादव की मौजूदगी में उद्घाटन किया जाएगा ।इस पर मनोज पांडेय का कहना है कि समाजवादी पार्टी मुख्य विपक्षी पार्टी है नेता प्रतिपक्ष सपा के हैं और समाजवादी पार्टी के विधायकों की संख्या 11 है अगर दूसरे दलों से जिनके विधायकों की संख्या एक है उसे इसकी तुलना की जाएगी तो यह ठीक नहीं है। विधानसभा में कांग्रेस के सदस्यों की संख्या महज दो है। ऐसे में कांग्रेस विधान मंडल दल कार्यालय के रूप में पहले बड़ा कमरा आवंटित था लेकिन अब कांग्रेस को एक छोटा सा कक्ष अलॉट किया जाएगा। हालांकि कांग्रेस विधान मंडल दल की नेता आराधना मिश्रा मोना का कहना है कि उनके कार्यालय को छीना नहीं गया है बल्कि यह टेंपररी अरेंजमेंट किया गया है। उनके मुताबिक विधानसभा अध्यक्ष पूरे विधानसभा को सजाने और संवारने में जुटे हैं। इस बार उनकी नजर विपक्ष की ओर इनायत है। इसीलिए विपक्ष के भी कार्यालय और कक्ष को वह बनवा रहे हैं। कुछ समय के लिए जब तक कांग्रेस और बीएसपी का कक्ष नहीं बन जाता तब तक एक टेंपरेरी अरेंजमेंट किया गया है। उनका कहना है कि उन्हें लगता है बहुत जल्द उनका कार्यालय उन्हें वापस मिल जाएगा। यूपी विधानसभा में 65 साल बाद नई नियमावली तैयार की गई है। अब सदन की कार्यवाही इस नई नियमावली के तहत संचालित होगी। आज सर्वदलीय बैठक के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना ने नई नियमावली का विमोचन किया। इस नई नियमावली के मुताबिक अब सदन के भीतर सदस्य बैनर पोस्टर नहीं ले जा सकेंगे। साथ ही मोबाइल पर भी पूरी तरह बैन होगा। वही विधानसभा अध्यक्ष की पीठ की ओर सदस्य ना पीठ करके बैठेंगे और नाहीं खड़े होंगे। कांग्रेस विधान मंडल दल की नेता आराधना मिश्रा मोना का साफ तौर पर कहना है कि नई नियमावली में सदस्यों के मान सम्मान का भी ख्याल रखते हुए सदन की गरिमा बनी रहे ऐसा बैलेंस होना चाहिए।

आदि गंगा गोमती में हजारों भक्तों ने लगाई आस्था की डुबकी, मेले में खरीदारी को जुटी भीड़

अयोध्या। अमौनी में कार्तिक पूर्णिमा पर लगने वाले मेले का महत्व यूं ही नहीं है। यहां लगने वाला मेला प्रत्येक साल दर्जनों जोड़ों के परिणय सूत्र में बंधने का गवाह भी बनता है। वर व वधू देखाई की अनौपचारिक रस्म पहली बार यहीं पूरी होती है। इसके बाद शादियां तय होती हैं। यहां के मेले में इलाके के ही नहीं बल्कि पड़ोसी जनपद बाराबंकी, सुल्तानपुर, अमेठी व गोंडा के श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ती है। पास पड़ोस के गांव में हर घर में मेहमानों का डेरा होता है। तपोस्थली अमौनी में ही कल्याणी व गोमती का मिलन हुआ है। इसलिए यहां पर सगाई की रस्म को वरीयता दी जाती है। मान्यता है कि यहां पर सगाई करने से दाम्पत्य जीवन सुखमय होता है।अमौनी स्थित सन्तोष भारती के समाधि स्थल पर लगने वाले मेले में प्रशासन ने सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए हैं। थानाध्यक्ष बाबा बाजार राजेश सिंह ने बताया कि मेले में सुरक्षा के व्यापक प्रबंध किया गया है।

सुरक्षा को लेकर बाबा बाजार पुलिस के अलावा थाना कोतवाली इनायत नगर, कुमारगंज, खंडासा, मवई, पटरंगा थाने के अलावा एक सेक्सन पीएसी तैनात की गई है। जो 15 अलग अलग प्वाइंट पर तैनात रहकर निगरानी कर रहे हैं। आरजकतत्वों पर खास नजर रखने के साथ–साथ मेले को सकुशल सपन्न कराने में जुटे हैं। आदि गंगा गोमती नदी में स्नान करने के बाद मेले का भ्रमण कर रहे हैं।

पुलिस की अंतर्जनपदीय शातिर चोरों से मुठभेड़,

गोली लगने से एक घायल, दो ने किया सरेंडर, चोरी के माल का कर रहे थे बंटवारा

उरई/जालौन। जालौन में देर रात माधौगढ़ कोतवाली पुलिस, एसओजी और सर्विलांस टीम की संयुक्त रूप से अंतर्जनपदीय शातिर चोरों से मुठभेड़ हो गई। मुठभेड़ में गोली लगने से कुख्यात हिस्ट्रीशीटर घायल हो गया, जबकि दो बदमाशों ने पुलिस के सामने आत्मसमपर्ण कर दिया। पुलिस ने इन बदमाशों के पास से चोरी का माल बरामद किया है। जिन्होंने बीते दिन सूने घरों को निशाना बनाते हुए चुराया था। वहीं पुलिस ने घायल बदमाशों के खिलाफ कार्रवाई शुरू कर दी। साथ ही घायल हिस्ट्रीशीटर को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया। पुलिस की यह मुठभेड माधौगढ़ कोतवाली क्षेत्र में हुई। जहां माधौगढ़ पुलिस को सूचना मिली कि उनके इलाके में बीते दिन सूने घर में चोरी की वारदात को अंजाम देने वाले चोर माल का बंटवारा कर रहे हैं। सूचना पर माधौगढ़ पुलिस के साथ एसओजी, सर्विलांस टीम ने इलाके में घेराबंदी की। जिस पर चोरी के माल का बंटवारा कर रहे शातिर चोरों ने पुलिस को देख फायरिंग शुरू कर दी। पुलिस ने भी जवाबी फायरिंग की। इस फायरिंग में एक शातिर बदमाश के पैर में गोली लग गई। जबकि दो ने पुलिस के सामने आत्मसमर्पण कर दिया। पुलिस ने जब मौके पर जाकर देखा तो घायल बदमाश हिस्ट्रीशीटर क–43 गैंग का लीडर आशू उर्फ प्रिंस पुत्र महेंद्र कुमार निवासी ग्राम सैदपुर उवारी थाना कुठौंद निकला। उसके दो सहयोगी सुनील कुमार कुशवाहा पुत्र रामअवतार कुशवाहा, बाबू कुशवाहा पुत्र रामशरण कुशवाहा निवासीगढ़ ग्राम बघावली थाना रामपुरा ने सरेंडर किया। पुलिस ने घायल को अस्पताल में भर्ती कराया है। जबकि इनके पास से पुलिस ने भारी मात्रा में सोने व चांदी के आभूषण, 5 हजार 790 रुपए नगद व अवैध तमंचे, खोखा कारतूस बरामद किए। इस मामले में जालौन के एसपी डॉक्टर ईरज राजा ने बताया कि गिरफ्तार अभियुक्त प्रिंस उर्फ आशु दोहरे के खिलाफ जालौन और कानपुर नगर में 16 गंभीर मामले पंजीकृत हैं। जबकि सुनील के खिलाफ भी मामले दर्ज हैं।

सनातन महासभा की 119वी मां गोमती महाआरती का आयोजन

स्वामी त्रियंबक ने शिविर कार्यालय का उद्घाटन किया

लखनऊ। सनातन महासभा की ओर से झूलेलाल वाटिका, गोमती तट पर प्रत्येक पूर्णिमा पर आयोजित कार्तिक पूर्णिमा पर आयोजित 119वी आदि गंगा माँ गोमती महाआरती व सनातन

समागम का आयोजन सोमवार को किया गया। मंगलाचरण, स्वस्तिवाचन, पुष्पांजलि व शंखनाद के साथ हरिद्वार की तर्ज पर 07 भव्य मंचो से पूज्य श्री आनंद नारायण जी महाराज, स्वामी कौशिक चौतन्य,,आचार्य त्रियंबक चौतन्य, स्वामी मुरारी दास, स्वामी कृष्ण मोहन, देवेंद्र शुक्ल के सानिध्य में हुई। महाआरती में मृदंग, मंजीरा, ढोल, तासे, शंख का खूब प्रयोग किया गया। अध्यक्ष डॉ प्रवीण ने बताया कि बच्चों द्वारा विभिन्न देवताओं के रूप में महाआरती का आयोजन भूषण अग्रवाल,, महर्षि कपूर, श्रुति गुप्ता,मंजू श्रीवास्तव के संयोजन में हुआ। कार्यक्रम का आरंभ रिद्धि सिद्धि के दाता सुनो गणपति..., से हुआ। सभी बच्चो को प्रमाण पत्र से सम्मानित किया गया और श्री गुरुनानक देव की जयंती पर उनको माल्यार्पण करके उनके जीवन पर विचार प्रस्तुत हुए। महाआरती का संयोजन कर रहे महासभा के अध्यक्ष डॉ. प्रवीण व मुख्य सचिव देवेंद्र शुक्ल ने बताया कि महाआरती के बाद 1101 दीपो से घाट दिवाली की तरह जगमगा उठा और सभी ने वरिष्ठ समाजसेवी हिमांशु शेखर व आरती शुक्ला के नेतृत्व में मां गोमती की स्वच्छता व किनारों के अतिक्रमण को लेकर संकल्प दीपो से सभी भक्तों को कराया। इस भव्य कार्यक्रम का संचालन विकास मिश्र ने किया और भक्तो को अपनी मिमिक्री से मनोज सारस्वत ने हँसते हँसाते धर्म का ज्ञान तमाम फिल्मी कलाकारों व राजनेताओ की आवाज में दिया। इस मौके पर सनातन शिरोमणि सम्मान से संत स्वामी त्रियंबक चौतन्य, स्वामी कौशिक चौतन्य, स्वामी कृष्णमोहन, एनआरआई रमेश यादव, नवलेश प्रताप सिंह चौयरमेनध सभापति,उद्यान, नीलू त्रिवेदी, अचिन मेहरोत्रा, सुधीर अग्रवाल को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के बाद में भक्तों ने प्रसाद ग्रहण किया। इस मौके पर सीपी अवस्थी, रामकिशोर शुक्ल, ऋषि शर्मा, मनीष रस्तोगी, रवि कचरू, हिमांशु अवस्थी, देवेंद्र राय, केके राय, प्रदीप पांडेय, आरती शुक्ला, सुशील तिवारी, विनय कुमार, मनोज श्रीवास्तव,सीपी तिवारी, भूषण अग्रवाल, शोभित सिंह, कमल कपूर, दीपक चौधरी मौजूद रहे। महाआरती के पूर्वअध्यक्ष डॉ0 प्रवीण व मुख्य सचिव देवेंद्र शुक्ल ने संयुक्त रूप से बताया कि सनातन महासभा के प्रबंधन में 24 जनवरी से 03 फरवरी 2024 में आयोजित भव्य धर्म संसद व सनातन महोत्सव के तमाम आयामो को लेकर आज 4 बजे श्री नीम करौली बाबा आश्रम गोमती तट पर नियमित शिविर कार्यालय का उद्घाटन स्वामी त्रियंबक चौतन्य, स्वामी आनंद नारायण जी,,स्वामी कौशिक चौतन्य जी, स्वामी मुरारीदास जी के साथ राज्य सभा सांसद अशोक बाजपेयी, एमएलसी मुकेश शर्मा ने किया।

बुजुर्ग की हत्या करने वाले ३ आरोपी गिरफ्तार,एक आरोपी की तलाश में दबिश जारी

अलीगढ़। जिले के सुरेंद्र नगर में बुजुर्ग की हत्या करने वाले तीन आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस की 6 टीमें लगी थी, जिन्होंने 18 घंटे के अंदर आरोपियों की पहचान की और उन्हें गिरफ्तार किया। पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार किया था। उससे पूछताछ के आधार पर देत रात तक दबिश चलती रही और पुलिस ने 2 और आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। आरोपियों ने पुलिस की पूछताछ में बताया कि बुजुर्ग अपने भतीजे का पता नहीं बता रहा था, इसलिए खुन्नस निकालने के लिए उन्होंने बुजुर्ग पर गोली चला दी। इसके बाद वहां से फरार हो गए। क्वार्सी थाना क्षेत्र के सुरेंद्र नगर निवासी अशोक गुप्ता को शनिवार को बाइकर्स ने शनिवार देर शाम गोली मार दी थी। उनके भतीजे का बाइकर्स से विवाद हुआ था। भतीजे ने तेज गाड़ी चलाने और लगातार हार्न बजाने से बाइकर्स को रोका था। जिसके बाद आरोपियों ने खुन्नस निकालने के लिए बुजुर्ग दुकानदार के पेट में गोली मार दी थी। जिसके बाद परिजनों ने पहले बुजुर्ग को निजी अस्पताल में भर्ती कराया था, इसके बाद उन्हें मेडिकल कालेज रेफर कर दिया गया था। शनिवार देर रात इलाज के दौरान मेडिकल कालेज में बुजर्ग दुकानदार की मौत हो गई थी। इसके बाद परिजनों ने रविवार को कानून व्यवस्था पर सवाल उठाया था और शव लेकर जीटी रोड भी जाम कर दिया था। पुलिस ने बुजुर्ग दुकानदार की हत्या के मामले में गांधीपार्क थाना क्षेत्र के विकास लोक कालोनी निवासी 18 वर्षीय लखन पुत्र अवधेश पाठक, मूल निवासी हबीबपुर थाना छर्रा, विकास लोक कालोनी निवासी ऐश्वर्य उर्फ शौर्य पुत्र अरविंद चौहान (18) और गांधीपार्क थाना क्षेत्र के सुरेंद्रनगर गांधीनगर निवासी सूरज सैनी पुत्र कृष्ण गोपाल को गिरफ्तार कर लिया है। इन्हें सोमवार को न्यायालय में पेश किया जाएगा। घटना के खुलासे के लिए एसएसपी कलानिधि नैथानी ने सीओ थर्ड, सीओ गभाना, इंस्पेक्टर क्वार्सी, स्वॉट व सर्विलांस टीम, क्रिमिनल इंटेलीजेंस विंग नगर और फील्ड यूनिट के नेतृत्व में 6 टीमें लगाई थी। इन टीमों ने 18 घंटे में घटना का खुलासा कर दिया और आरोपियों को गिरफ्तार किया। पुलिस ने 3 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। उन्होने पूछताछ में पुलिस को बताया है कि मृतक के भतीजे से उनकी बहस हुई थी। आरोपी आयुष अपनी बुलट मोटरसाईकिल से और आयुष का दोस्त सिद्धार्थ अलग मोटर साइकिल से सुरेन्द्रनगर होकर जा रहे थे। मृतक की दुकान के सामने पहुंचे, तो वहाँ पर मृतक का भतीजा खड़ा था। आयुष ने अपनी मोटरसाईकिल का हॉर्न बजाया जिस पर मृतक के भतीजे द्वारा हॉर्न बजाने पर आपत्ति की। इसी बात को लेकर दोनों के बीच कहासुनी हो गई। जिसके बाद आयुष अपने दोस्त सिद्धार्थ, लखन व ऐश्वर्य उर्फ शौर्य को लेकर पहुँचा तथा मृतक के भतीजे की तलाश की जो नहीं मिला, तो आरोपी सिद्धार्थ ने मृतक से उसके भतीजे के बारे में पूछा, जवाब नहीं मिलने पर तमंचे से गोली मार दी। बुजुर्ग की हत्या करने के मामले में चौथे आरोपी सिद्धार्थ की तलाश में लगातार दबिश दी जा रही है। तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है और उन्हें सोमवार को कोर्ट में पेश किया जा रहा है। वहीं दूसरी ओर सिद्धार्थ की तलाश में लगातार पुलिस दबिश दे रही है। एसएसपी ने खुलासा करने वाली टीम के लिए 25000 पुरस्कार की घोषणा भी की है। एसएसपी कलानिधि ने बताया कि चौथे आरोपी की तलाश में दबिश दी जा रही है। जल्दी ही आरोपी पुलिस की हिरासत में होगा और उसके खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

एक दिसंबर से 58 ग्रामीण रूटों पर दौड़ेंगी रोडवेज की बसें

बांदा। चित्रकूटधाम मंडल के 58 और ग्रामीण रूटों पर रोडवेज की बसें एक दिसंबर से फर्राटा भरेंगी। अभी 45 रूटों पर बसों का संचालन शुरू किया गया है। इससे 150 गांवों के पांच हजार से अधिक ग्रामीण यात्रियों को लाभ मिल रहा है। मंडल के चारों जिलों के 103 ग्रामीणें रूटों पर बसें चलाने की योजना है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पिछले माह परिवहन निगम को पिछड़े ग्रामीण मार्गों पर बसें चलाने के आदेश दिए थे। जनप्रतिनिधियों से ऐसे मार्ग जहां पर बसों के संचालन की जरूरत है, की सूची शासन अथवा आरएम व एआरएम को देने के लिए कहा था। शासन के आदेशों पर परिवहन निगम ने मंडल के पिछड़े गांवों के रूटों का सर्वे कराया। इसमें 98 रूट बस संचालन के लिए उपयुक्त पाए गए। उधर, पांच रूटों की सूची जन प्रतिनिधियों ने दी है। क्षेत्रीय प्रबंधक प्रबंधक संदीप अग्रवाल ने बताया कि चिह्नित 127 पिछड़े गांवों के 45 रूटों पर बसों का संचालन शुरू कर दिया है। बांदा में 14, महोबा में 13, हमीरपुर में 10, राठ में 8 रूट शामिल है। बसों के संचालन से 150 गांवों के पांच हजार से अधिक यात्रियोंरेको बस सेवा का लाभ मिला है। पहली दिसंबर तक बाकी ग्रामीण मार्गों पर भी बसों का संचालन शुरू किया जाएगा। परिवहन निगम के मानक के अनुसार रोजाना एक बस एक लाख रुपये आय लाती है, लेकिन ग्रामीण मार्गों पर चलने वाली 45 बसें 50 फीसदी भी आय नहीं ला पा ररी हैं। ऐसे में प्रतिदिन करीब 22.50 लाख का निगम को ग्रामीणों रूटों पर घाटा उठाना पड़ रहा है।

मौसम बदला, सर्दी का हुआ एहसास,आसमान में छाए बादल

अलीगढ़। जिले में सोमवार सुबह से ही मौसम बदला गया। आसमान में बादल छाए हुए हैं और हवाएं भी चल रही हैं। जिससे लोगों को ठंड का एहसास होने लगा है। मौसम विभाग ने सोमवार से मौसम बदलने की घोषणा की थी, ऐसे में पूरे प्रदेश में मौसम में बदलाव देखा जा रहा है। सूर्य देव के बादलों छिपे होने के कारण लोगों को ठंडक का एहसास होने लगा है, वहीं दूसरी ओर ठंडी हवाएं भी चल रही हैं। जिससे मौसम में ठिठुरन बढ़ गई है। अभी तक लोग दिन में गर्म कपड़े नहीं पहन रहे थे, लेकिन मौसम में अचानक आए बदलाव के कारण उन्हें गर्म कपड़ों की जरूरत महसूस होने लगी है। अचानक से आए मौसम में बदलाव के कारण तापमान में भी गिरावट आई है। दिन में ही तापमान 20 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया। वहीं न्यूनतम तापमान 12 डिग्री सेल्सियस तक जाने की संभावना है। जबकि अधिकतम तापमान 22 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया है।

मौसम विभाग की माने तो दिन में हल्की बूंदाबांदी की भी संभावना है। जिससे मौसम में और ज्यादा ठंडक बढ़ सकती है। पूरे प्रदेश में सोमवार को मौसम ने करवट ली है। झांसी, लखनऊ, कानपुर समेत कई जिलों में हल्की बूंदाबांदी भी हुई है। जिससे अचानक से तापमान में गिरावट दर्ज की गई है। मौसम में बदलाव को देखते हुए लोगों ने गर्म कपड़े निकालने शुरू कर दिए हैं। पूरे प्रदेश में मौसम में बदलाव देखा जा रहा है। ठंड ने एकदम से दस्तक दी है और शीतलहर भी चलने शुरू हो गई है। वहीं मौसम विभाग की माने तो प्रदेश में अगले दो–तीन दिन तक ऐसा ही मौसम बना रहेगा। आसमान में बादल छाए रहेंगे और धूप नहीं निकलेगी। हल्की धूप निकली भी तो वह बेअसर रहेगी। मौसम विभाग ने आमजनों के लिए एलर्ट जारी किया है कि वह लापरवाही बिल्कुल भी न करें और गर्म कपड़े पहनकर ही बाहर निकलें। क्योंकि मौसम में एकदम से आया बदलाव लोगों के लिए परेशानी का कारण भी बन सकता है। ऐसे मौसम में बीमार होने की संभावना ज्यादा बनी रहती है।

ट्रेन से कटकर एक परिवार के ३ लोगों की मौत,ससुर-दामाद व नाती की मौत

बस्ती। जिले में एक ही परिवार के 4 लोग एक साथ रेलवे ट्रैक पार कर रहे थे। इसी बीच मालगाड़ी की चपेट में आकर 3 लोगों की मौत हो गई। मरने वालों में एक पांच साल का मासूम बच्चा, उसका पिता और नाना शामिल है। दुर्घटना में महिला बाल–बाल बच गई। अपने बेटे के शव के पास बैठकर वह कहती रही कि कोई मेरे बेटे को पानी पिला दो। हादसा रविवार देर शाम टिनिच गौर रेलवे स्टेशन के पास का है। तीन लोगों के कटने की सूचना मिलते ही पुलिस प्रशासन में हड़कंप मच गया। मौके पर बड़ी संख्या में पुलिस और रेलवे के अधिकारी भी जा पहुंचे। मृतकों की पहचान झारखंड के रांची के पलिया गांव निवासी ससुर मुन्नी लाल (45), दामाद सुनील (30) और सुनील के बेटे पिंटू (5) के रूप में हुई है। पुलिस की मानें तो रविवार की रात गौर से बस्ती की तरफ डाउन मालगाड़ी जा रही थी। कैथोलिया गांव के सामने 584/14 संख्या पोल के पास ट्रैक पार करते समय तीनों ट्रेन की चपेट में आ गए। ट्रेन की ठोकर लगने से तीनों की मौत हो गई। जबकि इन्हीं के साथ जा रही एक महिला आरती सुरक्षित बच गई है। मालगाड़ी के चालक ने स्थानीय स्टेशन को हादसे की जानकारी दी। शव के पास से झोले में कपड़े और शराब मिली है। माना जा रहा है कि ये लोग नशे में ट्रैक को पार कर रहे थे, जिसके चलते ट्रेन की चपेट में आ गए। मुन्नी लाल और सुनील ईंट भट्ठे में काम करते थे। पिंटू मुन्नी लाल का पुत्र है। पुलिस के मुताबिक, महिला का नाम आरती बताया जा रहा है। जो खुद को झारखंड का निवासी बता रही है। वह अपनों की मृत्यु के बाद वह सदमे में है। बार–बार बेटे को पानी पिलाने की बात कर रही थी। बोल रही थी कोई मेरे बाबू को पानी पिला दो। पूछताछ में मृतकों को अपना पति, पिता व बेटा बता रही थी। बोल रही थी कि बाबू हमार बजार जाने के लिए निकले थे। महिला की बातें सुन हर किसी की आंखें नम हो गई। अपर पुलिस अधीक्षक दीपेंद्र चौधरी ने बताया कि आरपीएफ के माध्यम से थाना गौर को सूचना मिली कि टिनिच रेलवे स्टेशन से लगभग एक किलोमीटर आगे कुछ व्यक्तियों का एक्सिडेंट हुआ है। सूचना पर थाना गौर पुलिस और उनके संबंधित स्टाफ द्वारा आरपीएफ इंस्पेक्टर और उनकी टीम व मेरे द्वारा घटना स्थल का निरीक्षण किया गया। मौके पर तीन डेड बॉडी मिली हैं। शवों को पोस्ट मार्टम के लिए भेज दिया गया है।

सरकार की नीतियों से किसान दुखी : रालोद

लखनऊ। किसान पंचायत में शिरकत करने रालोद प्रदेश अध्यक्ष रामाशीष राय सीतापुर पहुँचे। सीतापुर के कमलापुर में किसान पंचायत में रालोद प्रदेश अध्यक्ष रामाशीष राय उत्तर प्रदेश सरकार पर जमकर बरसे। प्रदेश कोषाध्यक्ष बीएल प्रेमी भी मौजूद रहे। किसान पंचायत का आयोजन प्रदेश महासचिव आरपी सिंह चौहान ने किया। किसान पंचायत को संबोधित करते हुए श्री राय ने कहा कि उत्तर प्रदेश का किसान वर्तमान सरकार के गलत नीतियों के कारण दुखी और परेशान है लेकिन सरकार के कानों पर जूं नहीं रेंग रही है।किसानों को उनकी फसल का उचित मूल्य नहीं मिल रहा है। गन्ना किसानों को उनके बकाए का भुगतान नहीं मिल रहा है आम जनता महंगाई की मार से त्रस्त है। डीजल पेट्रोल के दाम आसमान छू रहे हैं। विद्युत आपूर्ति बदहाल है। छुट्टा जानवर किसानों की फसल को बर्बाद कर रहे हैं। आवारा पशु सड़कों पर घूम रहे हैं जिससे आए दिन कोई न कोई घटना घटित हो रही है। जिसकी कोई सुध लेने वाला नहीं है। इस अवसर पर राष्ट्रीय लोकदल के पदाधिकारी और कार्यकर्ताओं के साथ कमलापुर क्षेत्र की तमाम जनता और किसान भाई मौजूद रहे।

उप मुख्यमंत्री ने लगाया जनता दर्शन कार्यक्रम

किसी को नही होना पड़ेगा निराश : केशव

लखनऊ। उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने सोमवार को अपने कैम्प कार्यालय 7– कालिदास पर प्रदेश के विभिन्न जनपदों से आये लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याओं के त्वरित गति से निस्तारण कराये जाने का निर्माण, आवास दिलाने, अवैध कब्जा, कानून व्यवस्था, रास्ता खुलवाने, विकास कार्य, मारपीट, राजस्व ,अतिक्रमण, जमीनी विवाद, चिकित्सा सहायता आदि थीं। उप मुख्यमंत्री ने जनता दर्शन में आये तमाम लोगों के पास स्वयं जाकर

आश्वासन दिया। उन्होने जन सुनवाई के दौरान एक–एक व्यक्ति की समस्या को पूरी गम्भीरता से सुना तथा समस्याओं के निराकरण हेतु विभिन्न अधिकारियों को आवश्यक दिशा–निर्देश दिए। जनता दर्शन में बुजुर्ग, महिलाएं, पुरूष एवं दिव्यांग सहित सैकड़ों लोगों ने उपमुख्यमंत्री के समक्ष अपनी समस्यायें बतायी। बतायी गयी समस्याओं में मुख्य रूप से विद्युत, मार्ग चौड़ीकरण सड़क उनकी समस्याएं सुनीं एवं प्रार्थना पत्र भी लिये। कई लोगों की समस्याओं के निस्तारण के संबंध में उपमुख्यमंत्री ने शासन के उच्चाधिकारियों, जिलाधिकारियो व पुलिस अधीक्षको सहित कई अधिकारियों से दूरभाष पर भी वार्ता की। उप मुख्यमंत्री ने फरियादियों को विश्वास दिलाया कि किसी को निराश नहीं होना पड़ेगा, सबकी समस्याओं का समुचित समाधान कराया जायेगा।

महिला अफसर के घर रात 1 बजे घुसा नायब-तहसीलदार गिरफ्तार

बस्ती। बस्ती में महिला अधिकारी से रेप की कोशिश और जान से मारने की धमकी देने वाला नायब तहसीलदार घनश्याम शुक्ला गिरफ्तार हो गया है। सोमवार दोपहर आरोपी को रोडवेज बस स्टैंड के पास से पुलिस ने पकड़ा। केस दर्ज होने के 10 दिन बाद उसकी गिरफ्तारी हो पाई है। इससे पहले आरोपी नायब तहसीलदार ने हाईकोर्ट में याचिका दायर कर FIR खारिज करने की अपील की थी। मगर, कोर्ट ने उसकी याचिका खारिज कर दी थी। इसके बाद पुलिस ने उसको भगोड़ा घोषित करने के साथ ही उस पर 25 हजार का इनाम भी कर दिया था। पुलिस गिरफ्त में आरोपी नायब तहसीलदार घनश्याम शुक्ला ने कहा, मुझ पर लगाए गए सारे आरोप गलत हैं। मामले की जांच चल रही है। जो भी सच होगा, सबके सामने आ जाएगा। मैं कहीं भी फरार नहीं था, बल्कि छुट्टी पर गया था। मेरी तबीयत भी खराब थी। अब मैं पुलिस की जांच में सहयोग करूंगा। पूरी घटना 12 नवंबर यानी दीपावली की रात की है। 25 साल की अनमैरिड महिला अफसर ने 17 नवंबर को कोतवाली में एफआईआर दर्ज कराई थी। तहरीर में उन्होंने बताया था, 12 नवंबर की रात करीब 1 बजे मेरे सरकारी आवास के बगल में रहने नायब तहसीलदार घनश्याम शुक्ला (36) आए। उन्होंने मेरे आवास का दरवाजा खटखटाया। जब मैंने दरवाजा नहीं खोला, तो लात मारकर दरवाजे को तोड़ दिया। घर में घुसकर उन्होंने मुझे बहुत मारा। मेरे कपड़े फाड़े और रेप की कोशिश की। मेरे विरोध करने पर उन्होंने गला दबाकर मुझे मारने की भी कोशिश की। महिला अफसर की शिकायत के बाद मंगलवार को आरोपी नायब तहसीलदार घनश्याम शुक्ला को सस्पेंड कर दिया गया था। साथ ही आरोपी के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट भी जारी किया गया। कोर्ट ने पुलिस को आदेश दिया कि गिरफ्तार कर पेश करे। इस मामले में डीएम को भी एक रिपोर्ट भेजी गई थी, जिसमें दोनों की दोस्ती होने की बात बताई गई थी। इस मामले में किसी तीसरे व्यक्ति का शामिल होना भी बताया जा रहा है। मगर, पुलिस ने घटना के दौरान तीसरे व्यक्ति की उपस्थिति को खारिज कर दिया। एसपी गोपाल कृष्ण चौधरी ने बताया, नायब तहसीलदार के खिलाफ कोतवाली बस्ती में दर्ज मुकदमे की जांच हुई। इसमें घटनास्थल पर घटना के समय आरोपी और पीड़िता के अलावा कोई और व्यक्ति नहीं पाया गया। आरोपी ने जांच टीम को दिए गए अपने बयान में घटना के दिन किसी तीसरे व्यक्ति के होने की झूठी कहानी सुनाई थी। घनश्याम का न सिर्फ बयान गलत पाया गया, बल्कि वह बार–बार अपने बयान भी बदल रहा था। उसके खिलाफ रेप के प्रयास और हत्या की कोशिश के पर्याप्त सबूत मिले थे। इसके बाद कोर्ट से गैर जमानती वारंट जारी कराकर गिरफ्तारी का प्रयास किया जा रहा था। लेकिन वह लगातार फरार चल रहा था। आरोपी घनश्याम को घर में छिपाने के आरोप में उसके भाई और ससुर को भी गिरफ्तार किया गया था। जबकि बहन को जमानत पर छोड़ दिया गया था।

कार्तिक पूर्णिमा पर श्रद्धालुओं ने लगाई आस्था की डुबकी,घाटों पर श्रद्धालुओं का उमड़ा रेला

बहराइच। जिले में कार्तिक पूर्णिमा पर्व सोमवार को पारंपरिक आस्था और विश्वास के साथ मनाया गया। सरयू तट पर हजारों श्रद्धालुओं ने आस्था की डुबकी लगाई। दान कर पुण्य लाभ पाया। श्रद्धालुओं ने स्नान कर दर्शन किए व मेले का लुत्फ उठाया। कार्तिक शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा पर्व पर आस्था ने जमकर हिलोरें लिया। सोमवार को पूर्णिमा पर्व पर स्नान–दान की धूम ने श्रद्धा, आस्था और विश्वास की त्रिवेणी का संगम कराया। जिले के सभी प्रमुख घाटों और सरोवरों में आस्था की डुबकी लगी। स्नान–दान के लिए पावन नदियों के घाटों पर श्रद्धालुओं का रेला उमड़ा। शहर के बाहर स्थित सरयू नदी के तट पर त्रिमुहानी स्थित कच्चे व पक्के घाट पर भोर होते ही हर हर गंगे का उद्घोष हो उठा। मेले में लगी दुकानों पर काफी भीड़ रही। मेले में महिलाओं, पुरुषों व बच्चों की आवाजाही रही। शहर के गोंडा हाईवे पर बेरिया समय, लखनऊ– बहराइच हाईवे पर मरी माता मंदिर, हुजूरपुर के भग्गड़वा घाट पर श्रद्धालुओं का जन सैलाब उमड़ा। पयागपुर के ताल बघेल में श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ा। मोतीपुर इलाके के गाय घाट में विशाल स्तर पर मेला लगा। जहां श्रद्धालुओं की भारी भीड़ रही।

धार्मिक स्थलों पर लगे ध्वनि विस्तारक यंत्रों की जांच,

बिना अनुमति के लगे ध्वनि विस्तारक को पुलिस ने उतरवाया

बहराइच। जिले में शासन के निर्देश पर जिले में पुलिस की ओर से धार्मिक स्थलों पर लगे ध्वनि विस्तारक यंत्रों की जांच की गई। जांच के दौरान बिना अनुमति के लगे ध्वनि विस्तारक को पुलिस ने उतरवा दिया। सरकार ने सभी जनपद के पुलिस अधीक्षक को पत्र भेजकर धार्मिक स्थलों पर लगे ध्वनि विस्तारक यंत्रों की जांच के निर्देश दिए हैं। पुलिस अधीक्षक प्रशांत वर्मा ने बताया कि शासन का पत्र मिलते ही थानाध्यक्षों और सीओ को जांच के निर्देश दिए गए। सोमवार को कैसरगंज में सीओ कमलेश सिंह और प्रभारी निरीक्षक राजनाथ सिंह की अगुवाई में अभियान चलाया गया। इसके अलावा दरगाह, जरवल रोड,

हुजूरपुर समेत अन्य थानों में अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान बिना अनुमति के अवैध रूप से लगे लाउड स्पीकर और ध्वनि विस्तारक यंत्रों को धार्मिकस्थलों से उतरवाया गया। धार्मिक स्थलों में जिले के मंदिर और मस्जिद शामिल रहे। उन्होंने बताया कि यह अभियान जिले में निरंतर चलता रहेगा। ऐसे में धार्मिक स्थल के संचालक स्वयं भी अवैध रूप से लगे ध्वनि विस्तारक यंत्रों को उतार सकते हैं।

अवध की आवाज हिन्दी दैनिक, प्रकाशक ,मुद्रक व स्वामी,अनिल कुमार सिंह द्वारा स्काई लाइन प्रिन्टर्स,119/23 खन्दारी लेन, लालबाग, लखनऊ उ0प्र0 से मुद्रित तथा डी–97/3 व 7,सेक्टर–7, इन्दिरा नगर,लखनऊ,उ0प्र0 से प्रकाशित। सम्पादक अनिल कुमार सिंह फोन : 0522–4340954 मो0–7905407289, Email: avadhkiaawaz@gmail.com
R.N.I.- UPHIN/2012/45127
नोट : समाचार पत्र से सम्बंधित सारे विवादोंका न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा।